समाजवादी बुलेटिन

एक साल शेष...

R.N.I. No. 68832/97

सामाजिक न्याय का संघर्ष तब तक जारी रहना चाहिए जब तक पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों, वंचितों व मजलूमों को बराबरी का दर्जा न मिल जाए। समाजवादियों को इसके लिए चाहे कोई भी कुर्बानी देनी पड़े, डटे रहना है। सभी को समान अवसर और अधिकार दिए बिना वास्तविक लोकतंत्र नहीं आ सकता।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

जनवरी 2026

वर्ष 27 | संख्या 03

PDA काव्य विचार

समाजवादी पार्टी का PDA ही है
सामाजिक न्याय का सच्चा मंत्र,
इसी से बचेगा प्रतिनिधित्व,संविधान,
आरक्षण व लोकतंत्र ॥

विशाल ज्योतिदेव
दुबग्गा, लखनऊ

समाजवादी बुलेटिन के सभी पाठकों, शुभचिंतकों एवं लेखकों को नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका और हमारा साथ यूं ही गर्मजोशी के साथ बना रहे।

सादर अभिनंदन

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

SIR: डटे हैं अखिलेश के PDA प्रहरी 30

16 कवर स्टोरी

एक साल शेष...

विजन इंडिया

होलिस्टिक हेल्थ पर जोर हो तो लोग बीमार कम होंगे 04

17 जनवरी को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित विजन इंडिया कार्यक्रम के तहत होलिस्टिक हेल्थ समिट के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विस्तार से स्वास्थ्य को लेकर अपने विचार रखे और नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के बारे में बेहतरीन सुझाव दिए।

नया साल: अखिलेश से मिलने उमड़ी भीड़ 12

नेताजी की मूर्ति न लगाने देने पर आक्रोश 40

होलिस्टिक हेल्थ पर जोर हो तो लोग बीमार कम होंगे

–अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का स्पष्ट मानना है कि स्वस्थ नागरिक अर्थव्यवस्था में मानव संसाधन हैं इसलिए स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने होलिस्टिक हेल्थ के लिए देश में स्वास्थ्य को एक जनांदोलन का रूप देने पर जोर दिया है।श्री अखिलेश यादव का कहना है कि स्वास्थ्य के लिए प्रिवेन्टिव कार्य करना होगा जिससे लोग बीमार न हों। इसके लिए शुरुआत से ही स्वास्थ्य शिक्षा पर ध्यान देना होगा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को टेली मेडिसन से जोड़ने की आवश्यकता बताई।

17 जनवरी को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित विजन इंडिया कार्यक्रम के तहत होलिस्टिक हेल्थ समिट के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विस्तार से स्वास्थ्य को लेकर अपने विचार रखे और नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के बारे में बेहतरीन सुझाव दिए।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी सरकार में शुरू की गईं तमाम योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने 2027 में यूपी में बनने जा रही समाजवादी सरकार की प्रस्तावित

योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

समिट में शिरकत के लिए 16 जनवरी को भुवनेश्वर पहुंचे श्री अखिलेश यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने भुवनेश्वर पहुंचने के पश्चात बीजू जनता दल के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक से शिष्टाचार भेंट की और उनसे विभिन्न विषयों पर विस्तार से विमर्श किया।

17 जनवरी को समिट में अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सरकारों को नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए सभी जांचों को फ्री करना चाहिए। समाजवादी सरकारों में सभी जांचे मुफ्त होतीं थीं। दुबारा समाजवादी सरकार बनने पर स्वास्थ्य को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त बजट का आवंटन होगा। किसी को बजट की शिकायत नहीं होगी। स्वास्थ्य के ढ़ांचे को अन्य ढ़ाचे के बराबर महत्व दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लाइसेंस मामले को सरल बनाने के साथ-साथ चौकन्ना बनाना पड़ेगा। दवाएं बनाने में किसे-किसे लाइसेंस दिया जा रहा है, किस उद्देश्य के लिए दिया जा रहा है यह देखना होगा। यह जरूरी है क्योंकि उत्तर प्रदेश में देखा गया कि कोडीन कफ सिरप कांड में सरकार के बड़े-बड़े लोग शामिल हैं और इससे बच्चों के स्वास्थ्य का बहुत नुकसान हुआ।

श्री अखिलेश यादव ने अपने वक्तव्य को विस्तार देते हुए कहा कि आज लोग बीमारी, स्वास्थ्य के साथ-साथ मनोभावों की भी बात कर रहे हैं। इस विषय पर होलिस्टिक एप्रोच और हेल्दी लाइफ स्टाइल के पहलू से चर्चा होना जरूरी है। होलिस्टिक हेल्थ में फिजिकल हेल्थ, फिटनेस, हेल्दी फूड, पाॅजिटिव सोशल सपोर्ट, हैप्पी वर्किंग कंडीशन हो, माहौल अच्छा हो इसीलिए होलिस्टिक हेल्थ पर फोकस किया गया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कभी-कभी स्वास्थ्य सेवाएं फेल हो जाती हैं। जब स्वास्थ्य सेवाएं फेल होती हैं तो मेडिकल सेवाएं शुरू होती हैं। हेल्थ प्रीवेंटिव कन्सेप्ट है। मेडिकल क्यूरेटिव कन्सेप्ट है।

जब होलिस्टिक हेल्थ पर फोकस करेंगे तो लोग बीमार कम होंगे। उससे लोग खुशहाली और तरक्की करेंगे। लोगों का तन और मन

VISION INDIA
PLAN DEVELOP ASCENT
HOLISTIC HEALTH SUMMIT
17TH JAN, 2026 | BHUBANESWAR

स्वस्थ होगा। आसपास का माहौल, कार्यस्थल का वातावरण, फ्रेंड सर्किल लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

आजकल देखा जा रहा है कि नकारात्मक चीजें ज्यादा आती हैं। नेगेटिविटी लोगों पर असर डालती है। कई बार व्हाट्सएप ग्रुपों पर तमाम चीजें आती हैं, जो प्रभाव डालती हैं। सामाजिक और राजनीतिक वातावरण, वेदर क्लाइमेट भी असर डालता है। दिल्ली का प्रदूषण, इंदौर का दूषित जलापूर्ति समेत तमाम जगहों के मामले हैं, जो लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े हुए हैं। इंदौर को तो सफाई में अवार्ड मिलता था उसी शहर में पीने के पानी से मौतें हो गईं। इसी तरह से वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े मामले हैं। होलिस्टिक हेल्थ में लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली सभी चीजें शामिल हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पर्यावरण और आसपास का माहौल जितना अच्छा होगा स्वास्थ्य उतना अच्छा हो। आंकड़ों के हिसाब से देश में होलिस्टिक हेल्थ की स्थिति 30 फीसदी ही है। पीएचसी, सीएचसी की स्थितियां अच्छी नहीं हैं। आपातकालीन सेवाएं लगभग खत्म हो गई हैं। उत्तर प्रदेश में तो इमरजेंसी सेवाओं की ही मौत हो गई है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। गांवों की आबादी के स्वास्थ्य का कोई आंकड़ा ही नहीं है। आशा वर्कर से काम ज्यादा लिया जाता है। जो काम लिया जाता है उन्हें उचित मानदेय नहीं दिया जाता है। होलिस्टिक हेल्थ के लिए सरकारों को एनवायरमेंटल फैक्टर पर ध्यान देना चाहिए। नदियों की सफाई नहीं है, औद्योगिक वेस्ट नदियों में जा रहा है। वही गंदा पानी खेतों में जा रहा है। वह असर डालता है।

श्री यादव ने कहा कि देखा जा रहा है कि योग पर बड़े-बड़े भाषण होते हैं लेकिन स्कूल-कालेजों में बच्चों को जानकारी देने का कोई सिस्टम नहीं है। संपूर्ण स्वास्थ्य को लेकर सरकारों का योगदान संतोषजनक नहीं है। जो जरूरी आधारभूत ढांचा होना चाहिए। वह नहीं है। पर्यावरण के कारक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालते हैं लेकिन स्वास्थ्य विभाग कहता है कि हमारा विषय नहीं है।

होलिस्टिक हेल्थ को लेकर आज बड़ी चुनौतियां हैं। मेडिकल के साथ ही सोशल चुनौती भी हैं। लोगों को जागरुक करना पड़ेगा। कई बार सामाजिक अड़चनें आती हैं

अगर अमृत काल चल रहा है तो गरीबों का मुफ्त इलाज हो

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि हेल्दी इंडिया स्लोगन नहीं मिशन होना चाहिए। हम चाहते हैं कि गरीब का इलाज फ्री हो। समाजवादी पार्टी की सरकार में गरीब को कार्ड नहीं दिखाना पड़ता था। अस्पतालों में फ्री इलाज होता था। अगर विकसित भारत का नारा दे रहे हैं, अमृत काल चल रहा है और कोई कार्ड की वजह से वापस हो जाए, उसका इलाज न हो पाए तो यह ठीक नहीं है।

17 जनवरी को विजन इंडिया कार्यक्रम के बाद भुवनेश्वर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में मंहगाई बहुत बढ़ गई है। बिजली, सिंचाई, खाद सब महंगा हो गया है। खेती का लागत मूल्य बढ़ता जा रहा है लेकिन सरकार पैदावार की सही कीमत नहीं दे रही है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह नाकाम हो चुकी है। हर मोर्चे पर फेल है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार में जितने पौराणिक मंदिर तोड़े गए हैं उतना धरती पर किसी राजा ने नहीं तोड़े हैं। भाजपा सरकार में पौराणिक मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। श्री यादव ने बताया कि वे सैफई, इटावा में एक मंदिर बनवा रहे हैं। भाजपा के लोग उसमें भी रोड़ा अटकाते रहते हैं। भाजपा सरकार ने काशी का बहुत बुरा हाल कर दिया है। अब न क्योटो बना और न काशी रह गई। भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। हम सबका लक्ष्य भाजपा को हटाना होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कफ सिरप में घोटाला हुआ। नोटबंदी में घोटाला किया। मां गंगा की सफाई में घोटाला किया। ऐसे ही भाजपा के लोग एसआईआर में घोटाला करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की लीगल टीम से कहेंगे कि सुप्रीम कोर्ट जाएं। जिससे यह बात साफ हो जाए कि राज्य निर्वाचन आयोग की वोटर लिस्ट ठीक है या भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची सही है।

एक सवाल के जवाब में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में सभी 80 लोकसभा सीट जीत जाएं तब भी ईवीएम को पसंद नहीं करेंगे। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने भाजपा को हराया है। आगे भी हराएंगे। उन्होंने कहा कि विकसित देशों जर्मनी, जापान, अमेरिका हर जगह बैलेट से चुनाव होता है।

जिनके कारण प्रोग्राम लागू नहीं हो पाते हैं। इसके लिए भी लोगों को जागरूक कारना होगा, शिक्षित करना होगा।

लोगों को बताना पड़ेगा कि स्वास्थ्य कितना बड़ा और जरूरी मुद्दा है। प्रोएक्टिव वेलनेस पर ध्यान देना होगा। यह तभी होगा जब लोग जागरूक होंगें। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल मेडिकल सेवाएं तैयार करने की जरूरत है। खुद को एक दायरे में लाना होगा। आहार-विहार- आचार-विचार को लेकर एक संकल्प लेना होगा।

साथ ही सरकारों को आधारभूत ढांचे पर काम करना होगा। लोगों की आर्थिक मदद करनी होगी। आधुनिक चिकित्सा, आयुष पर ध्यान देना होगा। हेल्थ में निवेश करना चाहिए। खर्च पर नहीं सोचना चाहिए। आशा वर्कर लोगों को जागरुक करने का काम करती हैं। वे स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं। उनकी सर्विस सिक्योरिटी होनी चाहिए।

डाक्टरों, नर्सो, आशा वर्कर के लिए आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा होनी चाहिए। ये जमीन पर कार्य करते हैं। अगर वे खुद चिंता में रहेंगे तो हेल्थ को कैसे बेहतर कर पाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कोई बीमार होता है तो दोहरे आर्थिक नुकसान में पड़ जाता है। एक तरफ इलाज का खर्च दूसरी तरफ काम भी छूट जाता है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान विधायकों को क्षेत्र विधायक निधि से 25 लाख रुपये तक लोगों के इलाज के लिए मदद का नियम बनाया गया। इसका मकसद था कि विधायक अपने क्षेत्र के गरीब लोगों की आर्थिक मदद कर सके। देश में पहली बार यह योजना यूपी में शुरू की गई।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर रेगुलेटरी प्रक्रिया, ईमानदार बनाई जाएगी। डिजिटल तकनीक को मजबूत कर स्वास्थ्य सूचनाएं जन-जन तक पहुंचाई जाएगी। क्रियेटिव रूप से खेल-खेल में स्वस्थ्य रहने का तरीका सिखाया जाएगा। एआई का सही प्रयोग कर हर क्षेत्र की हेल्थ ज्योग्राफी पता की जाएगी। उस पर नज़र रखी जाएगी। टेली मेडिसिन को हर पंचायत से जोड़ा जाएगा। जांचों के लिए होम सर्विस की व्यवस्था होगी। डाक्टरों की सलाह मोबाइल पर शुरू की जाएगी। सीएसआर फंड का ज्यादा हिस्सा हेल्थ सेक्टर को दिया जाएगा। नर्सिंग स्टाफ के लिए अतिरिक्त ट्रेनिंग सेन्टर विकसित करेंगे।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 360 डिग्री एप्रोच अपनानी होगी। डाइट, हाइट, वेट, योग, डेन्टल, फिटनेश, हेल्थ, सबको जोड़कर काम करना होगा। फेमिली प्लानिंग की पॉलिसी समझाई जाएगी। हेल्दी इंडिया स्लोगन नहीं मिशन होना चाहिए।

कार्यक्रम में सांसद राजीव राय, पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्र व पूर्व आईएएस श्री आलोक रंजन ने सक्रिय प्रतिभाग किया।

नया साल

अखिलेश से मिलने उमड़ी भीड़

बुलेटिन ब्यूरो

नए साल 2026 के पहले दिन लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर पूरे यूपी से आए कार्यकर्ताओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों की भीड़ सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव से मिलने को उमड़ पड़ी। यह उमंग, जोश, उत्साह 2027 में समाजवादी सरकार बनाने के लिए यूपी में बन चुके माहौल की गवाही दे रहा था।

श्री अखिलेश यादव को नए साल की बधाई, शुभकामनाएं, समर्थन देने के लिए तीन दिन तक समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर ऐसी भीड़ उमड़ी कि तिल रखने की जगह नहीं थी।

सांसद, विधायक, शिक्षक, अधिवक्ता, व्यापारी, सामाजिक व कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी, कर्मचारी, छात्र, नौजवान, पत्रकार, किसान, महिलाएं, साधु-संत, उलेमा सभी की सपा मुख्यालय पर जुटान श्री अखिलेश यादव की लोकप्रियता की गवाही दे रही थी।

किसी के हाथ में गुलदस्ता था तो कोई फूल-मालाएं लेकर अपने प्रिय नेता श्री अखिलेश यादव का नए साल पर स्वागत-अभिनंदन करने को आतुर था। कोई शुद्ध गुड़ लेकर पहुंचा था तो कोई मशहूर इलाहाबादी अमरूद की टोकरी लेकर।

कार्यकर्ताओं के प्यार, स्नेह, वरिष्ठों के आशीर्वाद से अभिभूत श्री अखिलेश यादव ने भी सभी का तहेदिल से अभिवादन किया, अभिनंदन किया और नव वर्ष 2026 की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

1 जनवरी 2026 को समाजवादी पार्टी के

राज्य मुख्यालय पर पहुंचे लोगों को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने सभी को नए वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हम संकल्प लेते हैं कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ. राम मनोहर लोहिया और श्रद्धेय नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव ने जो रास्ता दिखाया है उस पर चलेंगे और देश समाज को खुशहाली के रास्ते पर ले जाने का काम करेंगे।

नए वर्ष में सभी को नयी ऊर्जा और संकल्प के साथ मिलकर रहना है। काम करना है। 2027 में भाजपा सरकार का हटना तय है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा कमजोर हो चुकी है। भाजपा जब कमजोर होती है तो और सांप्रदायिक हो जाती है। इस सरकार ने कानून व्यवस्था का सत्यानाश कर दिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया पार्टी है। भाजपा की सरकारों ने मां गंगा और गोमती, यमुना सहित सभी नदियों को बर्बाद कर दिया। नदियों की सफाई नहीं हुई। किसानों की फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। भाजपा सरकार पीडीए को आरक्षण नहीं देना चाहती। भाजपा पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक विरोधी है। पीडीए वैकल्पिक सामाजिक ताकत है। जो पीडीए के खिलाफ है वे संविधान के खिलाफ है। हक और सम्मान के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 अगला साल 2027 लेकर आ रहा है। मंजिल सामने है। विधानसभा चुनाव में अब समय बहुत कम बचा है। कार्यकर्ता और नेता बूथ-बूथ पर पार्टी को मजबूत करने में जुट जाएं। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं को प्रतिवर्ष 40 हजार रूपया मिलेगा।

इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय, सांसद आरके चौधरी, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व मंत्री बलराम यादव एवं श्री अम्बिका चौधरी समेत कईं अन्य नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

2 जनवरी को भी सपा मुख्यालय पर ऐसी ही भीड़ उमड़ी। सभी ने श्री अखिलेश यादव को नव वर्ष 2026 की बधाई दी।

मुलाकात के दौरान श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं और नेताओं से कहा कि वे बूथ स्तर पर पार्टी को और मजबूत करने में जुट जाएं। मतदाता सूची को लेकर हो रहे एसआईआर पर पूरी नजर रखें। जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया हो उन्हें शामिल कराएं। सभी लोग सतर्क और सावधान रहें। उन्होंने कहा कि जनता समाजवादी पार्टी की ओर आशा भरी नज़रों से देख रही है। लोगों को समाजवादी

बाटी-चोखा के जायके से सराबोर समाजवादी सहभोज

बुलेटिन ब्यूरो

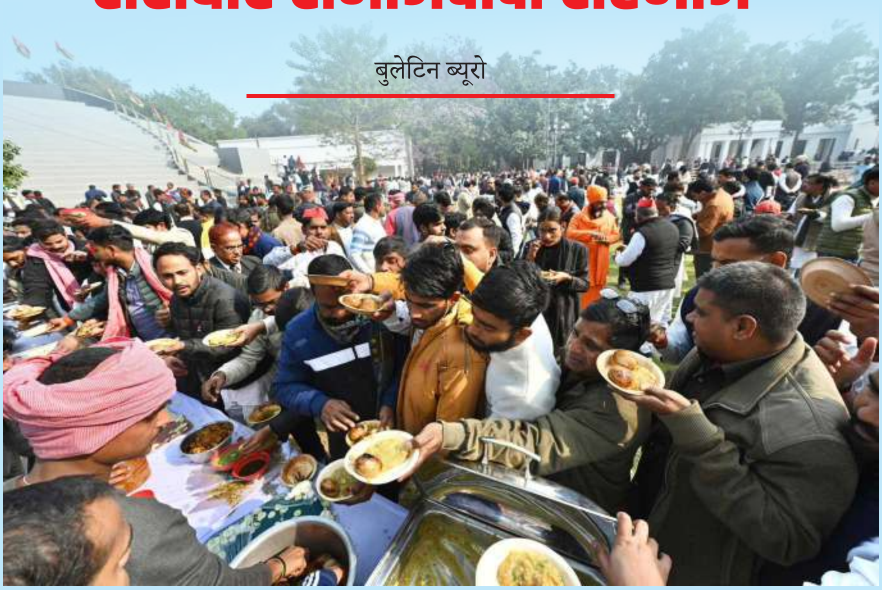

सभी को सम्मान, स्नेह, प्यार देने में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का कोई भी सानी नहीं है। राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के बावजूद वह जिस तरह छोटे-छोटे कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। यही वजह है कि एक-एक कार्यकर्ता उनपर जान छिड़कने को हर वक्त खड़ा रहता है।

नए साल पर जब पूरा यूपी उन्हें बधाइयां देने को उमड़ा तो उन्होंने उनके सम्मान में सबके लिए बाटी-चोखा का सहभोज दिया। कार्यालय पर आए हर शख्स ने बाटी-चोखा का आनंद लिया और श्री अखिलेश यादव का शुक्रिया अदा किया।

श्री अखिलेश यादव ने बाटी-चोखा सहभोज की व्यवस्था करने वाले आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बाटी-चोखा अथवा लिट्टी-चोखा में सिर्फ क्षेत्रीय शाब्दिक भेद है, बराबरी का भाव रखने वालों के लिए मूलतः सब एक ही रूप है।

सहभोज कार्यक्रम में शामिल कार्यकर्ताओं, नेताओं, नौजवानों, प्रबुद्ध समाज के लोगों, डॉक्टरों, प्रोफेसरों, साधु-संतों आदि ने 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प दोहराया। इस मौके पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नकारात्मक विचारों का प्रतिनिधित्व करती है।

भाजपा संविधान और लोकतंत्र को नहीं मानती है। जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है जनता को लाइनों में लगा रखा है। समाजवादी पार्टी संविधान के मार्ग पर चलती है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है। जनता की तबाही रोकने, प्रदेश के विकास के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार बनानी है। जनता 2027 में भाजपा को हराकर कुशासन का अंत करने को तैयार है।

पार्टी पर भरोसा है। 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी भाजपा को सत्ता से हटाएगी और प्रदेश को भाजपा के कुशासन से मुक्त करेगी।

नववर्ष के अवसर पर सदर कैंट गुरूद्वारा साहिब की ओर से श्री अखिलेश यादव को सर्वश्री नरेन्द्र सिंह छाबड़ा, नवल जीत सिंह नागपाल, सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा, आतम सिंह सोढ़ी तथा महेन्द्र सिंह छाबड़ा ने सरोपा भेंट कर सम्मानित किया।

3 जनवरी को भी प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों की संख्या में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने श्री अखिलेश यादव से मिलकर नए साल की बधाई दी। श्री यादव ने सभी को नए साल की शुभकामना देते हुए प्रदेश में खुशहाली की कामना की। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को आपस में मिलजुलकर कार्य करना है। जनता के बीच रहना है। जनता को भाजपा की नाकामियां बतानी हैं। भाजपा की नफरत की राजनीति को हराना है। 2026 में मेहनत से ही 2027 में सफलता मिलेगी।

समाजवादियों ने उत्साह और उमंग के साथ मनाया

डिंपल जी का जन्मदिन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी की मैनपुरी से लोकसभा सांसद श्रीमती डिंपल यादव जी का जन्मदिन 15 जनवरी को राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में उल्लास पूर्वक मनाया गया। राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं, नेताओं और बड़ी संख्या में महिलाओं ने श्रीमती डिंपल यादव को जन्मदिन की बधाई दी, केक काटे, कंबल बांटे और भंडारा किया।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में किशन सिंह के बैंड ने गीत संगीत से माहौल को खुशनुमा बना दिया। कई टोलियों में महिलाओं ने गीत गाकर श्रीमती डिंपल यादव को जन्मदिन की बधाई दी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की।

श्री अखिलेश यादव ने श्रीमती डिंपल यादव के जन्मदिन पर बधाई देने आए सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल ने महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रीबू श्रीवास्तव के आयोजन में केक काट कर श्रीमती डिंपल यादव जी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर सर्वश्री अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, रमेश प्रजापति, विजय सिंह, सुरेन्द्र नायक, मणींद्र मिश्र, देवेन्द्र सिंह जीतू, एसके राय भी मौजूद रहे।

एडवोकेट अब्दुल मजीद मंसूरी और रिंकी सिंह ने कम्बल वितरण किया। उनके साथ यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा भी मौजूद रहे।

श्रीमती अपर्णा जैन और वीरेंद्र की ओर से भंडारा का आयोजन किया गया। पूजा यादव ने वाराणसी की अन्नपूर्णा देवी मंदिर का प्रसाद और अंगवस्त्र लाकर भेंट किया।

समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश सचिव सत्यम बाजपेयी ने अपने साथियों के साथ गौतमपल्ली स्थित हनुमान जी के मन्दिर पर पूजन कर श्रीमती डिंपल यादव जी के दीर्घायु की प्रार्थना की।

बलरामपुर अस्पताल में प्रवक्ता श्री फखरूल हसन चांद के साथ पूर्व ब्लाक प्रमुख श्री दद्दन खां, प्रवक्ता दीपक रंजन, प्रतिभा सिंह, हरप्रीत ने ह्वीलचेयर और सर्जिकल सामान बांटे। इस मौके पर जीतू कश्यप, ज्ञानेन्द्र यादव, महेन्द्र यादव, जुबेर आज़मी, अब्दुल्लाह नदवी, आमिर, सालिम काकोरी, मोहित पाल, सोहराब, प्रदीप भारती, शीला यादव, ममता शर्मा भी मौजूद रहीं।

शिरोज कैफे लखनऊ में सांसद डिंपल यादव जी के जन्मदिन पर केक काटा गया। केक पर साइकिल निशान बना था।

जन्मदिन पर बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से मुन्नी पाल, सिम्मी प्रजापति, पूजा यादव, भारती चौहान, इशरत हक़, राबिया बेगम, सुमन कठेरिया, प्रिया पाठक, अनीता यादव, अंजू चौहान, अंशू कोडिया, विजय श्री गौतम, पायल सिंह, चिंता यादव, शर्मिला महाराज, लता, सीमा यादव, कालिंदी भारद्वाज, पूजा यादव, नसरीन, मालती यादव, मनीषा साहा, मनीषा यादव आदि शामिल रहीं।

एक साल शेष...

बुलेटिन ब्यूरो

नया साल 2026 शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने में अब केवल 1 साल शेष है और नव वर्ष 2026 की शुरुआत में ही यह तय हो चुका है कि 2027 में होने वाले चुनाव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनने जा रही है। श्री अखिलेश यादव की सत्ता में वापसी में सबसे अहम किरदार पीडीए की एकजुटता होगी जिसके अधिकारों के लिए श्री अखिलेश यादव लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान जिस तरह पीडीए समाज प्रहरी बनकर बूथों पर डटा रहा और उसने वोट बचाने की खातिर मेहनत की और भाजपा की साजिशों को इस तरह ढ़ेर किया कि पूरी भाजपा सरकार हिल गई और जाहिर हो गया कि भाजपा जाने वाली है और पीडीए की सरकार बनने वाली है।

एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पीडीए के वोट कटवाने के लिए पूरी भाजपा बूथों पर उतर आई। मुख्यमंत्री तक को बैठकें करनी पड़ीं, भाजपा में पीडीए की एकता की वजह से घबराहट फैल चुकी है और वह जान चुकी है कि पीडीए की एकता के सामने उसकी दाल नहीं गलने वाली।

लोकसभा चुनाव 2024 में पीडीए ने अपनी एकता का एक क्षेपक भाजपा को दिखाया था और उसे बुरी तरह परास्त कर तभी संकेत और संदेश दे दिया था कि 2027 में भाजपा सरकार का खात्मा तय है।

लोकसभा चुनाव में यूपी में पीडीए की एकता के बल पर श्री अखिलेश यादव की रणनीति के सामने बुरी तरह पराजित होने वाली भाजपा ने पीडीए के खिलाफ साजिशें रचनी शुरू कर दीं और उनपर जुल्म, ज्यादती व अन्याय बढ़ा दिया मगर पीडीए की एकता को डिगा नहीं सकी। तब उसने पिछड़ों व दलितों के पेट पर लात मारने के लिए आरक्षण खत्म करने की साजिशें शुरू कर दीं। लेखपाल भर्ती में आरक्षण की कटौती इसकी ताजा मिसाल है।

भाजपा ने जितनी बार अत्याचार व अन्याय के जरिये पीडीए को दबाना चाहा, श्री अखिलेश यादव उतनी बार उसके सामने डटकर खड़े हो गए। सरकार के अन्याय, अत्याचार के खिलाफ तनकर खड़े हा◌ेने की वजह से हर बार भाजपा के मंसूबे धराशायी हो गए।

यही वजह है कि श्री अखिलेश यादव ने एक अलग तरह के राजनेता की पहचान स्थापित की है। समाज में साफ संदेश है कि श्री अखिलेश यादव जब सामाजिक न्याय की वकालत करते हैं और आंदोलन को धार देते हैं तो उसमें सभी वर्ग, समुदाय, जाति को न्याय, अधिकार देने की बात होती है। श्री अखिलेश यादव ने देश-प्रदेश की राजनीति में यह साबित कर दिखाया है कि किसी के साथ भी अन्याय, अत्याचार होते नहीं देख सकते।

श्री अखिलेश यादव की स्पष्ट नीति, नीयत का नतीजा है कि यूपी की जनता 2027 में उनकी ताजपोशी का मन बना चुकी है। इस मंशा में पीडीए तो है ही, दूसरे वर्ग, समुदाय के लोग भी शामिल हैं जिन्होंने अखिलेश सरकार रहते हुए प्रदेश का विकास देखा है। वे जानते हैं कि आज यूपी में जो विकास दिखाई दे रहा है, जितनी योजनाएं चल रही हैं, वे सभी श्री अखिलेश यादव की सरकार की देन हैं। सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा

सरकार ने एक भी ऐसी योजना शुरू नहीं की जिसे दिखाया या बताया जा सके। अलबत्ता उसने अन्याय, अत्याचार और अहंकार की पराकाष्ठा जरूर कर दी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की सभी को साथ लेकर चलने, सम्मान देने, स्नेह देने और सामाजिक सद्भाव के लिए हर स्तर पर तैयार रहने की नीति और नीयत ने प्रदेश की अवाम का दिल जीता है।

अब यूपी की जनता खुलकर कहने लगी है कि राजनेता तो अखिलेश ही हैं जो विकास भी करना जानते हैं, खुशहाली भी लाने वालों में हैं और सभी के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए वह हर जतन करते हैं इसलिए अब भाजपा को हटाकर श्री अखिलेश यादव को सत्ता में लाना होगा।

भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था का बुरा हाल है। महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं। व्यापारियों को जीएसटी के नाम पर प्रताड़ित

जनता तय कर चुकी है
भाजपा का प्रस्थान

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा बेईमानी पर उतारू है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को लूट लिया है। भ्रष्टाचार चरम पर है। समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं को बूथ पर काम करना है। यूपी के विधानसभा चुनाव पर लोकतंत्र का दारोमदार है। भाजपा के षड्यंत्र को विफल करना है। जनता 2027 में भाजपा को हटाने का निश्चय कर चुकी है।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में नव वर्ष के शुरुआती दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात के दौरान श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से विफल हो गई है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से लोग परेशान हैं। विफलता के कारण यह सरकार जाने वाली है। प्रदेश में आने वाली सरकार समाजवादी पार्टी की है। जनता का भरोसा समाजवादी पार्टी पर है। 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार में हुआ विकास सभी को याद है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाकर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करनी है। सबको सम्मान और न्याय मिलेगा। प्रदेश का विकास होगा। समाजवादी सरकार में गोमती रिवरफ्रंट पर महाराजा बिजली पासी की सोने की प्रतिमा लगाई जाएगी। सभी महापुरुषों का सम्मान किया जाएगा। समाजवादी विचार से ही समाज को सही दिशा में ले जाया जा सकता है। समाजवादी पार्टी संविधान और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रही है इसलिए 2027 में समाजवादी सरकार बनना तय है।

किया जा रहा है। छात्रों-नौजवानों को नौकरियों के नाम पर पीटा जा रहा है। हाल में लेखपाल भर्ती में जिस तरह चुपके से आरक्षण घटाने की साजिश रची गई, उससे साफ हो गया कि भाजपा सरकार अपनी नीति के अनुसार आरक्षण को समाप्त करने की साजिशें करने में जुटी है।

श्री अखिलेश यादव ने यह साजिश पकड़कर भाजपा को बेनकाब कर बता दिया कि पिछड़ों-दलितों के हिमायती के होते हुए भाजपा की साजिशें कामयाब नहीं होने पाएंगी। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि बड़े अधिकारी भी करोड़ों रुपये के साथ पकड़े जा रहे हैं। यूपी के किसान भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं।

भाजपा राज में बदहाल हो चुके उत्तर प्रदेश को अब श्री अखिलेश यादव से ही आस है। नए साल की शुरुआत होते ही समाज का हर तबका मुखर होकर श्री अखिलेश यादव के पक्ष में खड़ा हो चुका है। नौजवान, महिलाएं, बेरोजगार, किसान, छात्र व व्यापारियों के साथ ही साधु संत भी श्री अखिलेश यादव के पक्ष में उतर आए हैं और उन्हें विजयी भव: का लगातार आशीर्वाद दे रहे हैं।

यूपी की राजनीति से देश की सियासत के फलक पर बेहतरीन राजनेता के तौर पर स्थापित हो चुके श्री अखिलेश यादव ने साफ छवि, विकास के बेहतर विजन और सकारात्मक सोच से जो पहचान बनाई है, उसने भाजपा की नींव हिलाकर रख दी है।

भाजपा सरकार में अन्याय का आलम यह है कि एक खास बिरादरी के लोग हावी हो गए और पिछड़ों, दलितों व दूसरी बिरादरी को उपेक्षित कर दिया गया। भाजपा ने न सिर्फ जातियों के साथ भेदभाव किया बल्कि क्षेत्रों के साभी नाइंसाफी की। सरकार हो या संगठन, एक खास क्षेत्र का ही बोलबाला रहा। प्रदेश के दूसरे हिस्सों की भागीदारी सरकार से संगठन तक शून्य है।

भाजपा सरकार से आजिज़ आ चुकी जनता महंगाई, बेरोजगारी, महिला हिंसा रोकने और नौजवानों, छात्रों, व्यापारियों, किसानों के मसले पर भाजपा सरकार का अंत कर श्री अखिलेश यादव की सत्ता में वापसी करने के लिए तैयार है। इंतजार है 2027 के विधानसभा चुनाव का ताकि भाजपा जाए और यूपी में खुशहाली आए।

संविधान के माझी हैं अखिलेश यादव

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

एक बार महात्मा गांधी से किसी विदेशी पत्रकार ने पूछा कि आप पचास साल से लगातार 15 घंटे काम कर रहे हैं। क्या आप नहीं सोचते कि अब आप को रिटायर हो जाना चाहिए? इस पर गांधी जी का कहना था कि मैं तो हमेशा छुट्टी पर रहता हूं। यानी जो व्यक्ति सहज भाव से हंसते खेलते काम करता है उसे आराम की कोई जरूरत नहीं होती। वह बड़े से बड़ा काम भी सहज भाव से ही करता है। कहते हैं कि नेहरू, पटेल और मौलाना जैसे कांग्रेस के नेता वर्धा में तमाम गंभीर समस्याएं लेकर और तनावग्रस्त होकर गांधी के पास जाते थे और थोड़ी देर बाद हंसते हुए निकलते थे। समस्याएं भले न दूर होती हों लेकिन उनका तनाव दूर हो जाता था।

महात्मा गांधी की इसी कार्यशैली का एक अंश हम समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव में देख सकते हैं। चाहे उत्तर प्रदेश विधानसभा रही हो या देश की लोकसभा। उन्हें तमाम गंभीर मुद्दों पर जब भी हम बात रखते हुए देखते हैं तो उसमें हास्य व्यंग्य का पुट जरूर होता है। जिससे अपने पक्ष का ही नहीं दूसरे पक्ष का तनाव भी दूर होता है। इसी तरह पार्टी का कोई नेता जब उनसे मिलकर निकलता है तो उसके भीतर एक किस्म की ऊर्जा, उत्साह और तनाव मुक्त मानस नया काम करने के लिए सक्रिय दिखता है।

अखिलेश यादव की राजनीति प्रतिशोध भावना पर आधारित राजनीति का प्रति उत्तर है। वे समझते हैं कि समाजवादी समाज के निर्माण की लड़ाई न तो कटुता से हो सकती है और न ही टकराव का रास्ता अपनाने से। भारतीय समाजवाद की परंपरा को निर्गुण रूप में जिंदा रखने वाले बौद्धिकों की तो देश में अभी भी भरमार है लेकिन समाजवाद को सगुण रूप प्रदान करने वाले दलों और संगठनों की संख्या सीमित है।

ऐसे में अखिलेश यादव और उनकी पार्टी का नेतृत्व समझता है कि उसका दायित्व न सिर्फ प्रदेश स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर बहुत बढ़ जाता है। फासीवादी ताकतों के समक्ष संवैधानिक मूल्यों को जागृत रखने उसकी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक व्याख्या करने और उसके माध्यम से समाजवादी समाज के निर्माण के लिए कभी रचना और कभी संघर्ष का रास्ता लंबा है। वह कठिन भी है। इसलिए अचानक जंग में कूद पर थक जाने से काम नहीं चलने वाला है और न ही सुस्ती में बैठने से काम चलने वाला है।

वास्तव में देश और प्रदेश एक किस्म की प्रतिक्रांति से गुजर रहा है। डॉ अंबेडकर ने लिखा है कि ईसा पूर्व दूसरी सदी में भारत में एक प्रतिक्रांति हुई थी और उसके परिणाम भारत ने हर क्षेत्र में भोगे। वह प्रतिक्रांति थी सम्राट अशोक के पोते ब्रहदार्थ मौर्य के सेनापति पुष्यमित्र शुंग द्वारा अपने ही राजा का युद्धभूमि में वध। उसके बाद भारत से समता और तर्क पर आधारित बौद्ध धर्म का पतन हो गया और पुष्यमित्र शुंग ने शुंग वंश की स्थापना की जिससे हिंदू धर्म फिर से स्थापित हुआ।

बीसवीं सदी में भाजपा के उदय के पीछे भी

कुछ वैसी ही कहानी है। भाजपा के उभार और विस्तार के पीछे छह दिसंबर 1992 को घटित प्रतिक्रांति की वह घटना है जिसने समता, सामाजिक न्याय और समाजवाद के विस्तार को रोक कर सामाजिक असमानता पर आधारित वर्णव्यवस्था और आर्थिक असमानता पर आधारित प्रचंड पूंजीवाद का मार्ग प्रशस्त किया।

समाजवादी पार्टी की स्थापना जब 4 अक्तूबर 1992 को हुई तब उसे यह प्रतिक्रांति साफ तरीके से दिख रही थी। दो महीने भी नहीं बीते थे तभी अयोध्या में धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक मूल्यों को ध्वस्त कर दिया गया। समाजवादी पार्टी ने 1993 में उसका उत्तर दिया। लेकिन उसे लग गया कि यह लड़ाई लंबी है और न सिर्फ एक दो चुनाव में फासीवादी शक्तियों को परास्त किया जा सकता है और न ही पूंजीवाद को फटाफट हराकर समाजवाद कायम किया जा सकता है।

समाजवादी पार्टी ने फासीवादी शक्तियों को पराजित करने और आधुनिक भारत में

फाइल फोटो

सामाजिक न्याय की दीर्घ परंपरा को चिह्नित करने हेतु 2026 के लिए पीडीए पंचांग जारी किया है। यह पंचांग वास्तव में डॉ लोहिया की हिंदू बनाम हिंदू यानी उदार हिंदू बनाम कट्टर हिंदू की व्यापक रणनीति का ही एक विस्तार है। यह एक ओर औपनिवेशिक आख्यान के विरुद्ध तिथियों और त्योहारों की भारतीय परंपरा का स्मरण कराता है तो दूसरी ओर सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष की परंपरा को भी जारी रखने का आह्वान करता है।

इसमें एक ओर सावित्री बाई फुले, ज्योति राव फुले, डा बाबा साहब अंबेडकर, ईवी पेरियार, भगवान बिरसा मुंडा और छत्रपति शाहू जी महराज के जीवन की महत्त्वपूर्ण तिथियों का उल्लेख है तो दूसरी ओर विवेकानंद जैसे समाजवादी संन्यासी के जीवन के बारे में भी खास तारीखों का जिक्र है। इस पंचाग का विमोचन स्वयं अखिलेश यादव ने किया। उनका कहना था यह एक ओर सामाजिक एकता कायम करेगा तो दूसरी ओर सामाजिक परिवर्तन की चेतना को नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

लेकिन विडंबना देखिए कि उदार और समावेशी हिंदू और भारतीय धारा को परिलक्षित करने वाले इस पंचांग पर भाजपाई नेता, पत्रकार और कथित साधू संत अपनी संकीर्णता के हथियार लेकर टूट पड़े हैं। कोई उसे राम विरोधी बता रहा है तो कोई समाज को बांटने वाला तो कोई हिंदू विरोधी और सनातन विरोधी बता रहा है। जाहिर है कि हिंदुत्ववाद को सबसे अधिक चिढ़ पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज के इस गठजोड़ से होती है और वह इसे धिक्कारने और इससे निर्मित होने वाली एकता को तोड़ने में लगा रहता है।

वह इसे जातिवादी बताता है तो राष्ट्रविरोधी बताता है और रामविरोधी बताता है जबकि राम के आदर्शों का हनन सबसे अधिक हिंदुत्ववादियों ने ही किया है। भाजपा यह भूल जाती है कि तुलसी दास ने रामचरित मानस में लिखा हैः—रघुकुल रीति सदा चलि आई। प्राण जाइ पर बचन न जाई॥ भाजपा ने वचनभंग करके अयोध्या में विध्वंस किया। वह एक ओर संवैधानिक मूल्यों की शपथ लेती है दूसरी ओर समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व जैसे महत्त्वपूर्ण मूल्यों की अवहेलना करती है।

तुलसी के मानस में भगवान राम ने साफ कहा हैः-शरणागत को जे तजहिं निज अनहित अनुमान। ते नर पांवर पाप में

तिन्हहिं बिलोकत हानि॥ लेकिन भाजपा आज देश में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के बहाने कथित रूप से बांग्लादेशी शरणार्थियों के लिए यातना शिविर बना रही है। राम ने बार बार कहा है कि प्रजा राजा की संतान के समान होती है लेकिन भाजपा प्रजा के एक हिस्से को महज वोट समझती है और एक हिस्से को शत्रु। हिंसा और घृणा पर आधारित हिंदुत्व का विचार न तो भारत के समन्वयवादी नजरिये के पक्ष में है और न ही प्रेम और भाई चारे पर आधारित गांधी, लोहिया और अंबेडकर के विचारों के।

बल्कि अगर देखा जाए तो भाजपा और संघ परिवार ने राम को महज अयोध्या के मंदिर तक सीमित करके उनके विराट चरित्र और आख्यान तक सीमित किया है। राम के बारे में कहा गया है कि एक राम दशरथ का बेटा, एक राम घट घट में व्यापा, एक राम है जगत पसारा और एक राम है सबसे न्यारा। वास्तव में राम को वही समझ सकता है जो राम के इन चारों रूपों को समझता है। वे राम केवल हिंदुओं के नहीं बल्कि सारे संसार के हैं।

भाजपा के नेताओं ने राम के इस रूप को अयोध्या और जन्मभूमि के मंदिर तक संकुचित कर दिया है। उसके लिए राम कमाई के साधन हैं। उसके लिए राम राजनीतिक सत्ता पाने के औजार हैं। उनके लिए वे विभाजन के उपकरण हैं जबकि राम और हनुमान की पूजा करने वाले मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव और उनका आदर करने वाले उनके पीडीए समाज के लिए राम सारे संसार को एकजुट करने वाली शक्ति हैं।

यह एक दुष्प्रचार है कि अखिलेश यादव राम और कृष्ण के विरोधी हैं। वरिष्ठ पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता विनीत नारायण की पुस्तक ' कान्हा का ब्रज' का विमोचन करते हुए उनका यह कथन प्रासंगिक है किः—जैसे जिसने जाना माना। वैसा उसके अपने कान्हा। वे वास्तव में राम के विरोधी नहीं हैं बल्कि राम मंदिर के नाम पर हो रही नफरत की राजनीति के विरोधी हैं। उनका कहना है कि जब इटावा के सैफई में भगवान शिव का केदारेश्वर महादेव मंदिर संपूर्ण हो जाएगा तो वे शिव और राम के एक साथ दर्शन करेंगे।

उनका कहना है कि भगवान का काम भगवान ही कराता है। मैं कौन होता हूं उसे कराने वाला। लेकिन उनका यह सवाल अहम है कि भाजपा के मंदिर को तो बहुतों ने चंदा दिया पर सैफई के मंदिर को कोई चंदा नहीं दे रहा। यहां पर उनका वह कथन भी अहम है कि असली मंदिर तो यूनिवर्सिटी और कॉलेज हैं (जिन्हें भाजपा के लोग नष्ट कर रहे हैं)। यही बात पंडित नेहरू भी कहते थे जिन्हें भाजपा और संघ के लोग निशाने पर रखते हैं।

इसी दर्शन को अपनाते हुए अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्रित्व में विद्यार्थियों को

फाइल फोटो

समाजवादी पीडीए पंचांग का विमोचन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 3 जनवरी को पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में समाजवादी पीडीए पंचांग-2026 का विमोचन किया। समाजवादी पीडीए पंचांग-2026 का प्रकाशन समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं अखिल भारतीय चौरसिया महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अजय चौरसिया ने किया है जिसमें विशेष रूप से पीडीए समाज के महापुरुषों की जयंती एवं पुण्यतिथि के साथ राष्ट्रीय एवं ऐतिहासिक दिवसों का भी उल्लेख है। पंचांग में रोजाना की आवश्यकता के भी कालम हैं।

विमोचन कार्यक्रम में समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल के साथ मोहम्मद दिलशाद अहमद, पवन यादव, संजय यादव तथा अभिषेक गुप्ता की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

लैपटॉप दिया था। जिसका उपयोग आज तक तमाम लोग कर रहे हैं। वे उनके रोजगार के साधन बने हुए हैं। भाजपा को उनकी उपयोगिता से लेना देना नहीं है बल्कि उसे खोलने पर जो मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव का चित्र दिखता है उससे परेशानी है। जबकि भाजपा ने कोरोना की बिना परीक्षण के तैयार की गई वैक्सीन पर मोदी की फोटो लगवा रखी थी।

वास्तव में समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के इसी समन्वय और समावेशिता के प्रतीक के तौर पर एक ओर उनकी पार्टी में फैजाबाद में भाजपा को हराने वाले दलित सांसद अवधेश प्रसाद हैं तो दूसरी ओर

फाइल फोटो

विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता और ब्राह्मण समाज के सिरमौर माता प्रसाद पांडेय जी हैं। उसी समावेशिता और विविधता का प्रतिनिधित्व करते हुए पार्टी के तीन महासचिवों में दो मुस्लिम और एक ब्राह्मण हैं। पार्टी के एक महासचिव जयशंकर पांडेय कहते हैं कि पीडीए वास्तव में समाजवाद के उस कार्यक्रम का विस्तार है जिसमें नारा दिया गया था कि समाजवादियों ने बांधी गांठ पिछड़ा पावै सौ में साठ।

समाजवादी पार्टी में भाजपा की तरह से दुखी ब्राह्मण विधायकों की जुटान नहीं होती। वहां समाज के सभी तबके मिलजुल कर काम करते हैं। वहां अगर एक ओर अवधेश प्रसाद हैं तो दूसरी ओर बलिया के सांसद सनातन पांडेय और धौरहरा के अनुराग भदौरिया हैं, तो कैराना का प्रतिनिधित्व करने वाली इकरा चौधरी हैं। अपनी इसी समावेशिता के दम पर समाजवादी पार्टी ने 2024 में संविधान की रक्षा का आह्वान करते हुए लोकसभा में तीसरे नंबर की पार्टी बनते हुए 37 सीटें हासिल कीं और विधानसभा में बहुमत पाने का हौसला कायम रखे हुए है।

उसने एसआईआर के दौरान गड़बड़ी रोकने के लिए पीडीए प्रहरी बनाए हैं और लोगों के वोट कटने से रोकने में लगे हैं। रचना और संघर्ष, न्याय, समता और भाईचारे के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता फासीवाद से लंबी लड़ाई के तहत 2027 के चुनाव को जीतने और देश में समाजवाद कायम करने के लिए कृत संकल्प है। आशा है कि उनका पीडीए पंचांग भविष्य का समाजवादी पंचांग साबित होगा।

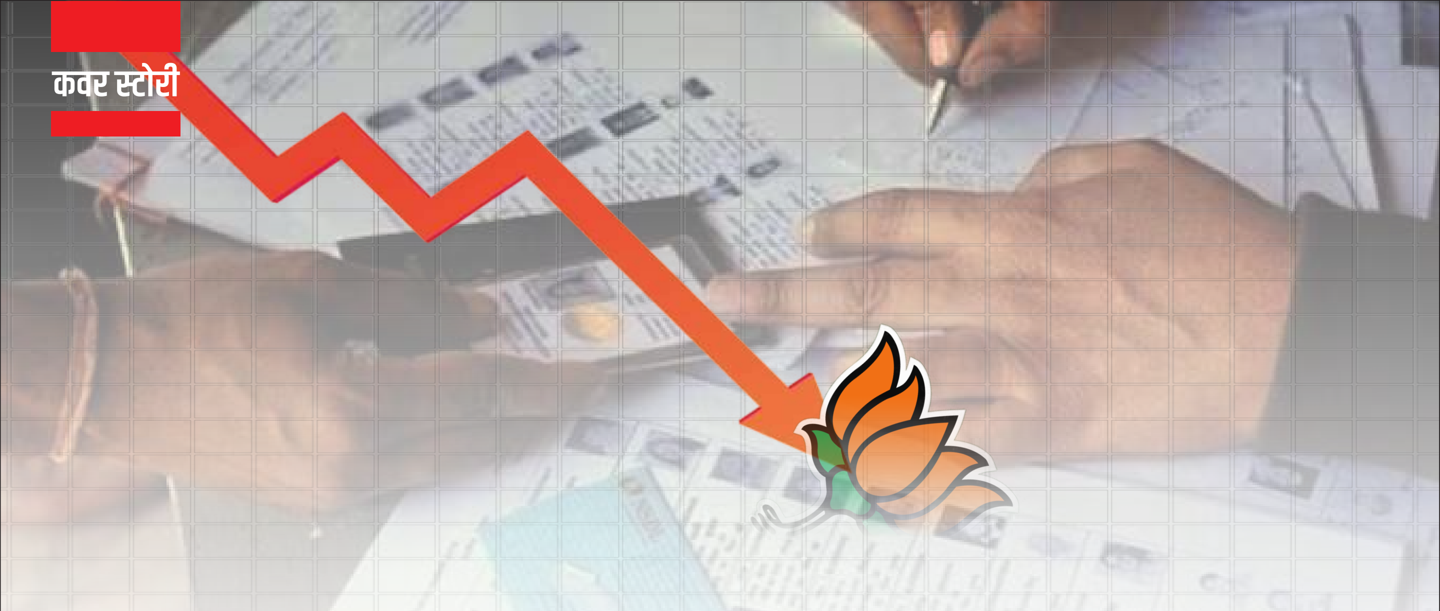

एसआईआर के आंकड़ों में छुपा है भाजपा की हार का गणित

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश भाजपा में मचे आपसी घमासान के हवाले से भाजपा की हार का पूरा गणित बता दिया है। उन्होंने कहा कि ऊपरी तौर पर भले कोई 'विद्रोही बैठक' हो पर असल कारण ये है कि भाजपाई विधायकों के बीच ये समाचार पहले ही प्रसारित हो चुका है कि एसआईआर में 2.89 करोड़ वोटरों के नाम कट गए हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बकौल 'एक वर्ष-शेष' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के लगभग 85-90 प्रतिशत उनके अपने ही वोटर कटे हैं। इसका राजनीतिक गणितीय विश्लेषण है: 28900000 का अगर केवल 85 फीसदी मान लिया जाए तो ये आंकड़ा होगा लगभग 24565000 है। अब इस आंकड़े को उत्तर प्रदेश की कुल 403 सीट से भाग दे दिया जाए तो ये आंकड़ा लगभग 61 हजार वोट प्रति सीट आएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसे में ये निष्कर्ष निकलता है कि भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की हर एक सीट पर आनुपातिक रूप से 61 हजार वोट कम पाएगी। ऐसे में वो सरकार क्या बनाएगी, दहाई का अंक भी पार नहीं कर पाएगी। इसीलिए आपसी लड़ाई अब एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप व टोका-टोकी व खुलेआम नोटिस के रूप में सामने आ रही है।

भाजपाई विधायक अलग-अलग बैठकें करके ये दिखा रहे हैं कि भाजपा सरकार, भाजपा संगठन व भाजपा के संगी साथी कोई भी उनकी नहीं सुन रहे हैं इसीलिए उनके कोई काम नहीं हो रहे हैं। ऐसे में जब चुनाव के पूर्व उनके कामों के आधार पर उनके मूल्यांकन का सर्वे करवाया जाएगा तो वे फ़ेल हो जाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यही वो बुनियादी कारण है कि वो सब इकट्ठे होकर अपनी सफ़ाई देने में जुट गए हैं। भाजपा में चंद गिने-चुने लोगों के महा भ्रष्टाचार में से इन 'असंतुष्टी से विद्रोह के स्तर तक' पहुंचे लोगों के हिस्से बदनामी की छींटों के सिवा कुछ हाथ नहीं लगा है। भाजपाई एसआईआर ने अपने खोदे गड्ढ़े में भाजपा को ही गिरा दिया है।

भाजपा में मची कलह से जनता त्रस्त

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में 2027 को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ही भाजपा ने हार मान ली है। हार की हताशा में भाजपा में ही घमासान मचा हुआ है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर तो चल ही रहा है, साथ ही जातिगत गोपनीय बैठकें भी शुरू हो चुकी हैं जो भाजपा के भीतर मची हार की निराशा और हताशा को दर्शाती है।

भाजपाई मान चुके हैं कि उसकी सरकार का अहंकार उसे ले डूबा है। भाजपा में मचे घमासान और पीडीए की एकजुटता ने 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार की राह और आसान कर दी है और प्रदेश की जनता के बीच स्पष्ट संदेश चला गया है कि भाजपा की कलह की वजह से आम जनता का नुकसान हो रहा है इसलिए भाजपा की सरकार का अंत जरूरी है। जनता जान चुकी है कि उन्हें कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर ही मिल पाएगा।

भाजपा पहली पार्टी है जिसके विधायक जाति के आधार पर अलग-अलग गुप्त बैठकें करते हैं। साफ है कि वे अपनी ही पार्टी के दूसरी जाति के विधायकों के साथ बैठक करना भी पसंद नहीं करते हैं।

भाजपा सरकार पहली ऐसी सरकार है जिसमें उसके मंत्री धरने पर बैठ जाते हैं और विधायक अपनी ही सरकार के खिलाफ चिट्ठी लिखने को मजबूर होते हैं। साफ है कि सत्ता और संगठन में जबरदस्त खींचतान मची हुई है।

भाजपा में जबरदस्त अंतर्कलह है। इस अंतर्कलह के कारण उत्तर प्रदेश की जनता पिस रही है। पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है और कानून व्यवस्था ध्वस्त है। आपसी खींचतान में आम मरीजों का इलाज भी नहीं हो पा रहा है। दवाएं मिल नहीं रहीं और जांचें ठप हैं।

भाजपा और उसके विधायकों को यह समझ में आ गया है कि यूपी की जनता ने सत्ता से बेदखल करने का मन बना लिया है और पीडीए की जागरुकता की वजह से इस चुनाव में उसकी धांधली भी नहीं चलने वाली है। हार की हताशा से घबराहट में भाजपा विधायक गोपनीय बैठकें कर अपनी रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। जाहिर है, वे भाजपा सरकार से आजिज आ चुके हैं और उससे छुटकारा पाने का सुरक्षित रास्ता तलाश करने में जुटे हैं।

24' का जनादेश, 27' का संदेश

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बननी है, यह संकेत यूपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में जनादेश के ज़रिये स्पष्ट तौर पर दे दिया था। यही वह जनादेश था जिसकी वजह से भाजपा में बौखलाहट फैली हुई है और वह पीडीए को दबाने-कुचलने और आरक्षण जैसे बुनियादी हक़ को छीनने पर तुली हुई है।

लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव के दौरान भाजपा अहंकार में डूबी हुई थी और अपनी जीत के प्रति आश्वस्त थी मगर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की रणनीति ने उसे ऐसा परास्त किया कि वह बौखला गई। दरअसल, लोकसभा चुनाव 2024 में श्री अखिलेश यादव ने खामोशी के साथ चुनावी रणनीति को कुशलता से ऐसा अंजाम दिया कि भाजपा चित हो गई। राजनीतिक पंडित भी समझ नहीं सके।

उत्तर प्रदेश और देश यह बखूबी जानता है कि श्री अखिलेश यादव विजनरी राजनेता हैं और खामोशी के साथ लोगों की मदद करने, उनकी परेशानियों को समझने और उसके मुताबिक काम करने वालों में हैं। वह पीडीए के अधिकारों को लेकर सतर्क दृष्टि रखते हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले ही श्री अखिलेश यादव ने रणनीति बनानी शुरू कर दी थी और सबसे पहले पीडीए को एकता के सूत्र में बांधा। जातीय जनगणना कराकर उन्हें आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी देने की उनकी मांग ने देश में भी जोर पकड़ा। पूरा देश खासतौर पर पीडीए को यह अहसास हो गया कि श्री अखिलेश यादव ही उनके सच्चे और न डिगने वाले हितैषी हैं। नतीजतन, पीडीए एक मंच पर आ गया।

लोकसभा चुनाव शुरू होने से पहले ही इंडिया गठबंधन की नींव पड़ी और श्री अखिलेश यादव उससे जुड़े तो आजतक जुड़े हुए हैं। इंडिया गठबंधन का साथ श्री अखिलेश यादव ने जिस तरह निभाया और निभा रहे हैं उसने देश की राजनीति को एक संदेश दिया कि श्री अखिलेश यादव ईमानदारी और पाक-साफ नीयत रखने वाले राजनेता हैं और गठबंधन धर्म निभाना उन्हें बखूबी आता है।

श्री अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में यूपी में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व किया और ऐसी रणनीति बनाई कि भाजपा के विजय रथ को रोककर देश को चौंका दिया।

लोकसभा चुनाव में यूपी से इतनी बड़ी जीत दिलाने वाले श्री अखिलेश यादव ने केंद्र में भाजपा को बहुमत से दूर रखा और उसकी सरकार को बैसाखियों पर ला दिया। जब लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा-मीमांसा होने लगी तो यह उभरकर आ गया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के जनादेश

ने 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार की इबारत लिख दी है। जनता ने भाजपा को परास्त कर यह संकेत दे दिया है कि वह भाजपा से नाराज है, त्रस्त है और उसका खात्मा चाहती है।

दरअसल जनता ने यह यूं ही नहीं किया बल्कि वह प्रदेश में अराजकता, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी और भाजपा सरकार की जुमलेबाजी से तंग आ चुकी है। प्रदेश में पिछड़ों, दलितों पर बढ़ते जुल्म, अन्याय ने भी जनता को त्रस्त कर रखा है। चूंकि जनता ने 2012 से 2017 वाली अखिलेश सरकार को देखा है और जानती है कि तब यूपी खुशहाली की राह पर था।

2024 में पीडीए की एकता को तोड़ने के लिए भाजपा ने कई तरीके अपनाए। जुल्म ढहाया। अन्याय किया मगर लोकसभा चुनाव के बाद पीडीए और मजबूत हो गया। उसे 2024 में अपनी असली ताकत का एहसास हुआ और लग गया कि वह चाहें तो सरकार बनवा सकते हैं और चाहें तो सरकार को हटा भी सकते हैं।

इसके बाद पीडीए ने और मजबूती के साथ श्री अखिलेश यादव का हाथ थामा और साफतौर पर निश्चयत कर लिया कि 2027 में समाजवादी सरकार बनवानी है। भाजपा को भी पीडीए की इस एकता का एहसास है इसीलिए वह घबराहट में आरक्षण जैसे बुनियाद अधिकार पर हमला कर रही है। पीडीए की एकता के बल पर अब यह बिल्कुल तय है कि 2027 में यूपी में समाजवादी सरकार को आना है और भाजपा को जाना होगा। लोकसभा चुनाव 2024 के जनादेश से 2027 के लिए यही संदेश निकला है जो उत्तर प्रदेश के हित में शुभ संकेत है।

साधु-संतों ने अखिलेश को दिया विजय का आशीर्वाद

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में 2027 में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में श्री अखिलेश यादव के पक्ष में माहौल बन चुका है। समाज का हर वर्ग श्री अखिलेश यादव की ताजपोशी के लिए तैयार है। साधु-संत भी श्री अखिलेश यादव की सरकार चाहते हैं।

5 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से दशनाम जूना अखाड़ा वाराणसी के साधु-संतों ने भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं 2027 के विधानसभा चुनाव में विजय का आशीर्वाद देकर यह संदेश दे दिया है कि वे यूपी में अखिलेश सरकार चाहते हैं।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में श्री अखिलेश यादव से भेंट करने पहुंचे साधु-संतों का श्री अखिलेश यादव ने गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। साधु-संतों ने मंगल कामना की।

श्री यादव से मुलाकात करने वाले प्रमुख साधु-संतों में श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा वाराणसी के नागा बाबा श्री तूफानपुरी, महंत श्री राकेश गिरि, श्री जोगेन्द्र गिरि, अनिल गिरि, पेल गिरि, शिवराम गिरि, बच्चा गिरि, अजय गिरि, नरेश गिरि प्रमुख रहे। सभी साधु संतों ने श्री अखिलेश यादव को 2027 में सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

भेंट के दौरान साधु-संतों ने मुक्तकंठ से कहा कि श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में ही राजनीति सत्य के मार्ग पर चलेगी और जन कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि 2012 से 2017 के बीच समाजवादी पार्टी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्य और कुंभ आयोजन की सफलता आज भी साधु-संतों के स्मृति पटल पर अंकित है।

SIR
डटे हैं अखिलेश के PDA प्रहरी

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में विशेष गहन परीक्षण (SIR) के दौरान मजबूती के साथ मतदाताओं की मदद को डटे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के PDA प्रहरी अब ड्राफ्ट लिस्ट आने के बाद भी मतदाताओं के नाम जुड़वाने और भाजपा के फर्जी वोटरों के नाम कटवाने के लिए बूथों पर डटे हुए हैं।

पार्टी नेतृत्व भी पूरी प्रक्रिया पर न केवल नज़र रखे हुए है बल्कि जिलों से आने वाली शिकायतों-फीडबैक के बाद श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर लगातार मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शिकायतों के निस्तारण की मांग कर रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने SIR की शुरुआत से पहले प्रदेश के सभी जिलों, गांवों, कस्बों, बूथों पर PDA प्रहरी मुस्तैद करने का जो निर्णय लिया था, वह काफी कारगर साबित हुआ और पूरे प्रदेश में इन प्रहरियों ने हर स्तर पर मतदाताओं की मदद की। उन्हें 2003 की वोटर लिस्ट में नाम तलाश करने से लगायत SIR फार्म भरवाने तक में मदद की। बीएलओ से समन्वय स्थापित कर लोगों तक फार्म पहुंचवाया और जमा कराने में मदद की। प्रदेश के मतदाताओं ने PDA प्रहरियों की खूब तारीफ की।

अब जबकि ड्राफ्ट लिस्ट आ चुकी है तो एक बार फिर PDA प्रहरी सक्रिय हो गए हैं। अब उनकी नज़र उन मतदाताओं पर है जो भाजपा ने फर्जी तरीके से जुड़वाएं हैं। प्रहरी उन नामों पर आपत्ति करने और नए वोटरों का नाम जुड़वाने के काम में जुट गए हैं। जिन मतदाताओं के नाम नोटिस आ रहा है, उनकी नोटिस का जवाब देने में भी PDA प्रहरी मदद करने में लगे हुए है। जैसे ही गड़बड़ी शिकायतें मिल रही हैं, प्रदेश समाजवादी पार्टी मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपने में जुट जा रही है।

धांधली होने पर कराएंगे एफआईआर -अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार वोटर लिस्ट में हेराफेरी की तैयारी कर रही है। भाजपा के लोग वोटरलिस्टअपने हिसाब से बनाना चाहते हैं। भाजपा सरकार साजिश और षडयंत्र के तहत पीडीए समाज का वोट काटने और अपना वोट बढ़ाने का निर्देश दे रही है।

उन्होंने सवाल पूछा है कि कोई दल वोट बढ़ाने के लिए निर्देश कैसे दे सकती है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने अपने सभी बीएलए और बूथ प्रहरियों को एक प्रारूप उपलब्ध कराया है। जो भी फर्जी और डुप्लीकेट मतदाता बनवाता दिखाई दे, उसके खिलाफ एफआईआर कराएंगे। एफआईआर का पूरा प्रारूप तैयार कराया गया है, उसमें केवल नाम डाल कर एफआईआर कर देनी है। 10 जनवरी को लखनऊ स्थित पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब एसआईआर की इतनी बड़ी प्रक्रिया चल रही है तो वोटरलिस्ट में केवल वास्तविक वोटरों का ही नाम होना चाहिए। उन्हीं का वोट बनना चाहिए लेकिन देखा जा रहा है कि राज्य निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची और केन्द्रीय चुनाव आयोग की मतदाता सूची में बड़ी संख्या में वोटों का अंतर आ रहा है जबकि दो मतदाता सूची तैयार करने वाले बीएलओ और अधिकारी एक ही हैं।

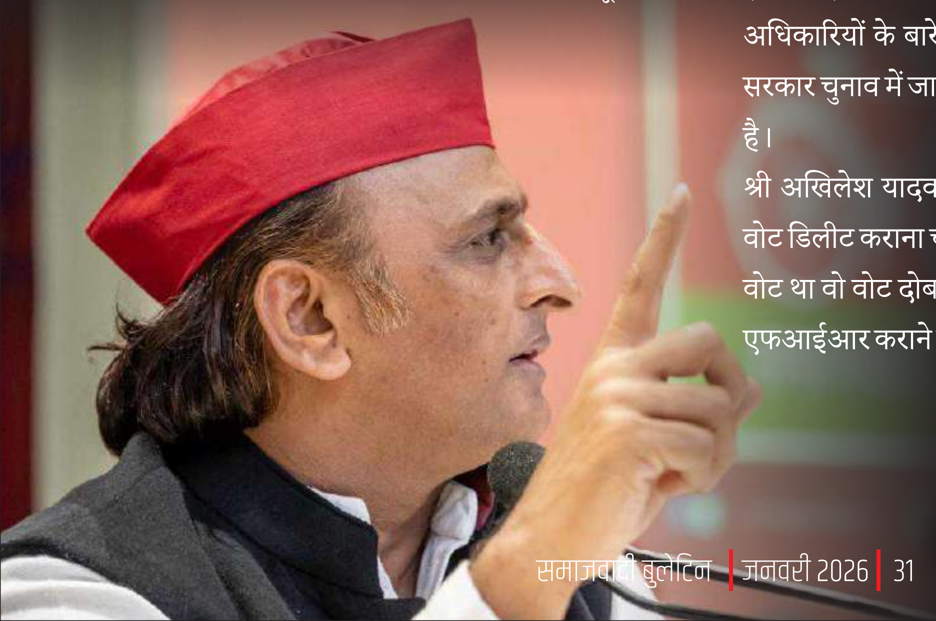

श्री यादव ने कहा कि जब मतदाता वही है अधिकारी और बीएलओ वही है तो राज्य और केन्द्रीय चुनाव आयोग की मतदाता सूचियों में इतना अंतर क्यों है, कहां कमियां हैं। चुनाव आयोग को बताना चाहिए सही कौन सूची है। उम्मीद है कि चुनाव आयोग इन सभी सवालों का जवाब देगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जानकारी मिली है कि 1.93 करोड़ वोटरों की मैपिंग हो जाने के बाद उन्हें अब अनमैप्ड कर दिया गया है। यह बेहद गंभीर मामला है कि एक बार मैपिंग के बाद लगभग दो करोड़ वोट फिर अनमैप्ड किये जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि उसमें कोई एरर (त्रुटि) हुई है। यह एरर नहीं है भाजपा के लिए एरर किया गया है। भाजपा जानबूझकर गलती कराती है जिससे लोग उलझ जाएं। अगर मैपिंग के बाद फिर से अनमैप्ड किया गया है तो बहुत गंभीर सवाल है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा मुद्दों से नहीं जीत सकती है। वोटो की हेराफेरी कर प्रशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के चुनाव को प्रभावित करने की तैयारी हो रही है। यह भी सुनने में आ रहा है कि भाजपा की विचारधारा से जुड़े अधिकारियों को जिलों में सुनवाई (हियरिंग) के लिए लगाया गया है। हमारी मांग है कि ऐसे अधिकारियों के बारे में बताया जाए। पहले भी देखा गया भाजपा सरकार चुनाव में जाति के आधार पर अधिकारियों की तैनाती करती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा दबाव डालकर विपक्ष के वोट डिलीट कराना चाहती है और पहले जो फर्जी और डबल, ट्रिपल वोट था वो वोट दोबारा जोड़ना चाहती है इसलिए सभी बीएलए को एफआईआर कराने के लिए प्रारूप उपलब्ध कराया जा रहा है।

16 जनवरी को प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर शिकायत की कि बुलंदशहर की सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अधिकांश पोलिंग बूथों पर बड़ी संख्या में अज्ञात मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाताओं सूची में जोड़ दिये गए हैं। भवन स्वामी हैरान और परेशान हैं कि आखिर उनके मकान के पते पर दर्ज अज्ञात मतदाता कौन हैं? वहां जनपद कन्नौज में बीएलओ ने कई बूथों पर गड़बड़ी की है। पार्टी ने इन गड़बड़ियों की विस्तार से जानकारी देते हुए कार्यवाही की मांग की है। गाजियाबाद महानगर मतदाता सूची में दर्ज पते पर स्थाई निवास करने वाले तथा सही ढंग से गणना प्रपत्र भर कर बीएलओ के पास जमा करने वाले मतदाताओं के नाम भी काट दिए गए हैं।

9 जनवरी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र को ज्ञापन देकर शिकायत की गई कि बीएलओ द्वारा नोटिसें लेकर नो-मैपिंग मतदाताओं के घर-घर जाकर दस्तावेज की मांग की जाएगी और मतदाता से दस्तावेज लेकर बीएलओ ऐप में अपलोड किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि राजनैतिक दलों के बूथ लेवल एजेन्टों (बीएलए) को नो-मैपिंग मतदाताओं की नोटिसें पोलिंग बूथ वार उपलब्ध कराई जाए जिससे कि बीएलए मतदाता तक पहुंचकर दस्तावेज उपलब्ध कराने में बीएलओ. को सहयोग कर सकें और एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हो सके।

एक और शिकायत में जनपद आगरा 93-फतेहाबाद विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में नए मतदेय स्थलों के सृजन में भारत निर्वाचन आयोग के नियम एवं निर्देशों के विपरीत मतदेय स्थलों के गठन किए जाने के विरुद्ध आपत्ति दर्ज की गई और मांग की गई कि मतदाताओं की सुगमता को आधार बनाकर नए मतदेय स्थलों को बनाया जाए जिससे विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2027 पारदर्शी निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं भयमुक्त सम्पन्न हो सके।

दिवंगत बीएलओ के परिवार को अखिलेश ने दी आर्थिक मदद

बुलेटिन ब्यूरो

दु:ख-दर्द में साथ देना और हर संभव मदद करने में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव कभी भी पीछे नहीं हटते। बीते दिनों एसआईआर के काम के दबाव में बीएलओ की मौत पर सरकार भले ही संवेदनहीन बनी रही मगर श्री अखिलेश यादव दिवंगत हुए बीएलओ के परिवार के साथ मजबूती के साथ खड़े नजर आए। आर्थिक मदद भी की।

10 जनवरी को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में मुरादाबाद और देवरिया के मृतक बीएलओ के परिवारीजनों को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 2-2 लाख रुपये के चेक दिए और उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने आगे भी हर संभव सहायता का भी आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि श्री अखिलेश यादव ने एसआईआर की ड्यूटी में काम के दबाव में आकर आत्महत्या करने वाले अथवा हार्टअटैक से दिवंगत होने वाले बीएलओ को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक मदद का एलान किया था। इसी क्रम में 10 जनवरी को उन्होंने मुरादाबाद के बीएलओ सर्वेश सिंह जाटव की पत्नी श्रीमती बबली देवी को 2 लाख रूपये का चेक सौंपा। स्वर्गीय सर्वेश सिंह कंपोजिट विद्यालय, जाहिदपुर सीकमपुर ब्लाक भगतपुर टांडा मुरादाबाद में सहायक अध्यापक थे।

बीएलओ सलेमपुर तहसील देवरिया के लेखपाल आशीष कुमार की पत्नी कंचन को भी 2 लाख रुपये तथा ग्राम माझका नरायन बूथ संख्या-7 विधानसभा रुद्रपुर पर कार्यरत बीएलओ जगदम्बा दुबे की पत्नी श्रीमती रंजू देवी को भी 2 लाख रुपये का चेक दिया। लेखपाल आशीष कुमार ग्राम धनगड़ा (बरवापलासी) पोस्ट ठेगलवा जनपद देवरिया निवासी थे।

आरक्षण

अखिलेश की ललकार
बैकफुट पर यूपी सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

पिछड़ों-दलितों को मिले आरक्षण को खत्म करने की भाजपा की योजना लेखपाल भर्ती के लिए निकले विज्ञापन के जरिये फिर बेनकाब हो गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भाजपा की इस साजिश को पकड़ लिया और तीखे स्वर में भाजपा को चेताया तो उसे कदम पीछे खींचने पड़ गए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की सजगता और पिछड़ों के अधिकारों को लेकर सतर्क दृष्टि की वजह से भाजपा सरकार पिछड़ों की हकमारी नहीं कर सकी।

आरक्षण की हक़मारी के इरादे से भाजपा सरकार ने लेखपाल भर्ती में संविधान के मुताबिक मिले हक को खामोशी से खत्म करने की साजिश रची और विज्ञापन में आरक्षित पदों की संख्या को घटा दिया।

उसका इरादा यही था कि अगर यह साजिश पकड़ में नहीं आई तो भर्ती में पिछड़ों का हक मार लिया जाए पर श्री अखिलेश यादव की पैनी और सतर्क दृष्टि से भाजपा की चाल चल नहीं सकी और उन्होंने इस हकमारी पर तर्क और आंकड़ों के साथ तीखे स्वर में आवाज बुलंद कर दी।

जब भाजपा सरकार को लगा कि उसकी योजनाबद्ध साजिश श्री अखिलेश यादव की पकड़ में आ गई है तो मजबूरन उसे विज्ञापन को संशोधित कर तय आरक्षण की घोषणा करनी पड़ी।

आरक्षण को खत्म करने की भाजपा की पुरानी योजना है और श्री अखिलेश यादव हमेशा ही यह कहते और पिछड़ों, दलितों को आगाह करते रहे हैं कि भाजपा ओबीसी के लिए संविधान द्वारा निश्चित 27 फीसदी आरक्षण में से 1/3 आरक्षण को नकारकर अपना असली 'संविधान-आरक्षण विरोधी' चेहरा दिखा रही है। उनकी बात दिसंबर

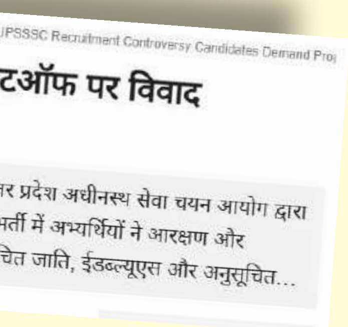

महीने में निकली लेखपाल भर्ती के विज्ञापन में सौ फीसदी सच साबित हो गई।

पदों के सापेक्ष आरक्षण न मिलते देख श्री अखिलेश यादव ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया। आंकड़े पेश कर दिए कि लेखपाल भर्ती के लिए कुल 7994 पद हैं। इसमें ओबीसी के लिए सिर्फ 1441 पद आरक्षित किए गए। 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण के हिसाब से कुल 2158 पद ओबीसी के लिए आरक्षित होने चाहिए। ओबीसी के 717 लेखपाल के पद की भर्ती होने से पहले लूट है। इसी भर्ती में ईडब्लूएस को 10 प्रतिशत के हिसाब से पूरी 792 पोस्ट दी गई

आरक्षण के हक को लेकर श्री अखिलेश यादव ने तथ्यों को सामने ला दिया और बता दिया कि पिछले 5 साल में हुई सभी भर्तियों में पीडीए के पदों की लूट हुई है। 69 हजार शिक्षक भर्ती 2019, बांदा कृषि विश्वविद्यालय भर्ती 2021, लखीमपुर सहकारी बैंक भर्ती 2023 और राजस्व लेखपाल भर्ती 2025 में 30 हज़ार से अधिक पीडीए पदों की लूट हुई।

उन्होंने सरकार को आइना दिखाया कि इन सभी भर्तियों में चोरी पकड़े जाने के बाद सरकार ने तथाकथित कमेटी गठित की थी लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

भाजपा को जब लगा कि आरक्षण को लेकर श्री अखिलेश यादव गंभीर और सतर्क दृष्टि रखे हुए हैं और आरक्षण खत्म करने की उसकी साजिश कामयाब नहीं हो पाएगी तो उसने विज्ञापन को संशोधित कर संविधान सम्मत आरक्षण देने की घोषणा की। सरकार के बैकफुट पर आने से साबित हो गया कि यदि श्री अखिलेश यादव सतर्क न रहें तो भाजपा की मंशा आरक्षण खत्म करने की ही है।

आरक्षण खत्म करने की भाजपाई साजिश पर श्री अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भाजपाई घोटालेबाज़ लोग हैं जो संविधान द्वारा दिया गया आरक्षण भी सरेआम मार देते हैं।

लेखपाल भर्ती के विज्ञापन में तय आरक्षण को घटाने पर नाराजगी का इजहार करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपाई पीडीए विरोधी निर्लज लोग हैं जो जानबूझकर आरक्षण की हक़मारी करते हैं और सोचते हैं कि पकड़े गए तो आरक्षण दे देंगे।

इससे साफ़ होता है कि ओबीसी हो, दलित, अल्पसंख्यक या महिला ये सब भाजपाइयों की निगाह में दोयम दर्जे के लोग हैं। वर्चस्ववादी भाजपाइयों के मन में भेदभाव का जो विष भरा है वह कभी पीडीए के ख़िलाफ़ हिंसा, शोषण, अत्याचार, छुआछूत के रूप में बाहर आता है तो कभी आरक्षण मारने या गंगा जल से धुलवाने के कुत्सित रूप में।

उन्होंने कहा कि भाजपा जाए तो संविधान-आरक्षण बच पाए। भाजपा ने पिछड़ों, दलितों समेत सभी वर्गों को धोखा दिया है। भाजपा, संविधान में दिए गए अधिकार को नहीं देना चाहती। भाजपा ने सभी के साथ अन्याय किया है। भाजपा सरकार के एजेंडे में नौकरी नहीं है और पीडीए समाज के लिए तो बिलकुल भी नहीं। भाजपा सरकार 69 हजार शिक्षक भर्ती घोटाले में सुप्रीम कोर्ट में सरकारी अधिवक्ता नहीं भेजती है और केस की डेट जानबूझकर टलवाई जाती है। पीडीए भाजपा की चाल समझ चुका है। 2027 में पीडीए समाज एकजुट होकर भाजपा को सत्ता से हटाकर उसके अहंकार का अंत कर देगा।

2027 में अखिलेश का साथ देगी आधी आबादी

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा सरकार से त्रस्त महिलाओं ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर 2027 में सरकार बनाने की अपील की ताकि आधी आबादी के लिए योजनाएं शुरू हो सकें और वे खुशहाली की जिंदगी जी सकें।

महिलाओं ने श्री अखिलेश यादव के सामने संकल्प लिया कि 2027 विधानसभा चुनाव में महिलाएं सपा का साथ देंगी। श्री अखिलेश यादव ने महिलाओं को भरोसा दिया कि समाजवादी सरकार बनने पर उनके कल्याण के लिए तमाम योजनाएं शुरू की जाएंगी।

6 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में प्रदेश सचिव अरविन्द यादव के नेतृत्व में अखिल भारतीय महिला विकास संस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। यह संस्थान शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत है। समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए संस्थान विविध कार्यक्रमों का संचालन भी करता है। महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई और बच्चों की शिक्षा का भी प्रबंध किया जाता है।

महिला प्रतिनिधिमंडल ने श्री अखिलेश यादव के सामने अपनी पीड़ा बयान की। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार से उन्हें

कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। महिलाओं का जीवन असुरक्षित है। बेटियों-महिलाओं के लिए जो योजनाएं समाजवादी सरकार में चल रही थीं, वे सब बंद हैं। समाजवादी सरकार में मिल रही कन्या विद्याधन, महिला पेंशन बंद है। आशा ज्योति केन्द्र में मानदेय नहीं मिल रहा है। पिछड़ी, दलित, मुस्लिम महिलाओं को समाजवादी सरकार में जो मदद मिल रही थी सब समाप्त हो गईं हैं।

श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में 2027 में समाजवादी सरकार बनाने के संकल्प के साथ महिलाओं ने कहा कि उन्हें अखिलेश जी पर भरोसा है। उम्मीद है कि उनकी सरकार बनने पर पुनः महिलाओं के लाभ की योजनाएं लागू होंगी।

श्री अखिलेश यादव ने महिलाओं के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि समाजवादी सरकार बनने पर उनकी मांगे पूरी होंगी। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार में 2027 में समाजवादी सरकार आने पर महिलाओं को 40 हजार रुपये प्रतिवर्ष मिलेगा। एक करोड महिलाएं इससे लाभान्वित होंगी। पिछली सरकार में समाजवादी पेंशन में 500 रुपये प्रतिमाह 55 लाख महिलाओं को दिए जा रहे थे।

श्री अखिलेश यादव से भेंट करने वालों में प्रमुख रूप से सर्वश्री अभिलाष सिंह, सुधीर कुमार सहित रेणु सिंह, अवनीत कौर, सुनीता गौतम, शहनाज, राजदीप कौर, दीपिका, अनिता चौधरी, कुसुम गौतम, सुषमा गौतम, अर्चना, सुखरानी कनौजिया, प्रभा देवी एवं सोनी आदि शामिल रहीं।

महिलाओं के खिलाफ अपराध चरम पर सरकार बेफिक्र

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में आधी आबादी के खिलाफ अपराधों की ऐसी इंतहा हो गई है कि आए दिन हो रही घटनाएं रूह कंपकंपा दे रही हैं। अपराध रोकने में भाजपा सरकार पूरी तरह नाकाम है और अपराधियों से उसकी लगाम छूट चुकी है। मुख्यमंत्री के जीरो टॉलरेंस की बात सिर्फ हवा-हवाई है।

एनसीआरबी के ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि यूपी में 66 हजार से अधिक महिलाएं हिंसा की शिकार हुई हैं। यह और भी चिंताजनक है कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में महिलाओं के साथ सर्वाधिक अपराध हुए हैं और दूसरे नंबर पर कानपुर है। महिलाओं पर बढ़ते जुल्म ने आधी आबादी को चिंता में डाल दिया है और जैसे-जैसे उनपर जुल्म बढ़ रहे हैं, उनमें भाजपा सरकार पर गुस्सा भी बढ़ता जा रहा है और भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के उनके इरादे और मजबूत हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में श्री अखिलेश यादव की सरकार में महिला अपराध पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाए गए थे। महिला हेल्पलाइन 1090 शुरू कर श्री अखिलेश यादव ने महिलाओं को एक मजबूत सुरक्षा कवच मुहैया कराया था जिसके जरिये महिलाओं को घर बैठे एक फोन कॉल पर त्वरित मदद मिल जाया करती थी मगर भाजपा ने सरकार में आते ही इस महत्वाकांक्षी और मददगार सेवा का बेड़ा गर्क कर दिया।

ऐसा कोई भी दिन नहीं है जब यूपी के किसी जिले से महिलाओं पर हिंसा की दिल दहलाने वाली खबरें न आती हों। यूपी के मुख्यमंत्री यह कहते नहीं थकते कि अगर बहन-बेटियों के साथ छेड़खानी की तो अगले चौराहे पर यमराज खड़े मिलेंगे।

मगर हाल में मेरठ में मां की हत्या कर बेटी को अगवा करने वाली वारदात ही बताती है कि कई दिन तक पुलिस बेटी और आरोपित को पकड़ नहीं सकी। रामपुर में कार में छात्रा से छेड़छाड़ और दुष्कर्म का प्रयास, बस्ती में छेड़खानी की घटनाएं भी भाजपा सरकार की पोल खोल रही हैं।

आए दिन महिलाओं पर हो रहे जुल्म को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव कहते हैं-भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। देश में सबसे ज्यादा महिला अपराध की घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही हैं। प्रदेश में पूरब हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण हर दिन बहन-बेटियों, माताओं पर अत्याचार हो रहा है। कानून व्यवस्था और महिला अपराध पर भाजपा सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो है।

भाजपा जाएगी तब खेती मुस्कुराएगी

यूपी के किसानों का बुरा हाल, उपज से बिक्री तक परेशान

फोटो स्रोत : गूगल

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में भाजपा राज में किसानों का बुरा हाल है। कभी खाद-बीज संकट तो कभी समर्थन मूल्य को लेकर जद्दोजहद। भाजपा राज में किसानों का कोई भी पुरसाहाल नहीं है।

अकेले श्री अखिलेश यादव ऐसे शख्स हैं जो किसानों का दर्द समझते हैं और मुश्किल घड़ी में उनके लिए आवाज बुलंद करते रहते हैं। चाहे खाद का संकट हो या फिर ओलावृष्टि में किसानों को मुआवजा देने की वकालत, समाजवादी पार्टी के मुखिया श्री अखिलेश यादव किसानों की आवाज बनते हैं। आलू किसान से लेकर बाजरा के किसान तक की समस्याओं को श्री अखिलेश यादव जोर-शोर से उठाते हैं। श्री अखिलेश यादव की यह बात बिल्कुल सच है कि-भाजपा जाएगी तब खेती मुस्कुराएगी।

उत्तर प्रदेश में पिछले 9 साल से सत्ता में काबिज भाजपा के शासनकाल में किसानों का बहुत कड़वा अनुभव रहा है। वे इतने परेशान कभी नहीं रहे। खाद-बीज की मांग पर उन्हें पुलिस की लाठियां खानी पड़ी। भाजपा सरकार यह भूल गई है कि जब देश का किसान करवट लेता है तो बड़ी से बड़ी सत्ता को हिलाकर रख देता है।

भाजपा सरकार जब से सत्ता में आई है, किसानों की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही है। उसकी फसल पर एमएसपी नहीं मिल रही है। बिचौलिये लूट रहे हैं। सरकार ने धान खरीद में धांधली की। बाजरा की फसल की शत-प्रतिशत खरीद के दावे किए जा रहे हैं पर हकीकत में खरीद के नाम पर किसानों

के साथ सिर्फ धोखा हो रहा है। किसान भटक रहे हैं, लुट रहे हैं। मंडी में दाम घट गए हैं क्योंकि ज्यादातर खरीद केन्द्र बंद चल रहे हैं।

बाजरा का समर्थन मूल्य राज्य सरकार ने 2775 रूपये रखा है लेकिन बाजार में किसान 1800-2000 रूपये में ही अपना उत्पाद बेचने को मजबूर हैं। सरकार मोटा अनाज (पोषक अनाज) नीति का बड़ा प्रचार कर रही है, किसानों के नाम पर बड़े-बड़े विज्ञापन छापे जा रहे हैं लेकिन हालत यह है कि बाजरा का रकबा बढ़ा है, पैदावार भी बढ़ी है लेकिन खरीद केन्द्रों में बाजरा की खरीद नहीं हो रही है। किसानों को पिछले वर्ष भी ऐसे ही ठगा गया था।

इस वर्ष तो बाजरा किसानों के साथ भाजपा सरकार ने अजीब मजाक किया है। तमाम क्रय केन्द्रों के बंद होने के बावजूद सरकारी तौर पर खरीद के लक्ष्य प्राप्ति की घोषणा कर दी गई है। किसानों को अब वापस भेजा जा रहा है। हाथरस में क्रय केन्द्रों पर कड़ाके की ठंड में भी किसान रात भर रुके रहे। अगले दिन उन्हें आने को कहा गया तो क्रय केन्द्र बंद कर दिए गए। एक किसान सात दिन तक लाइन में लगा रहा, उसके बाजरा की तौल नहीं हुई। शीतलहर और कोहरे में ठिठुरते हुए किसानों के उत्पाद की जानबूझकर तौल नही की गई।

आलू किसानों का भी बुरा हाल है। भुगतान को लेकर वे परेशान हैं। साफ जाहिर होता है कि भाजपा खेती-किसानी को इतना कष्टप्रद और कठिन बना देना चाहती है कि दुखी होकर किसान खेती करना ही छोड़ दें और थक-हारकर, हताश होकर अपने खेत और खेती भाजपाई धन्ना सेठों के हाथों में देने पर मजबूर हो जाएं।

भाजपाई पहले खेती पर क़ब्ज़ा करेंगे फिर खानपान की हर चीज़ को मनमाने दाम में बेचकर बेतहाशा मुनाफ़ाख़ोरी करेंगे। महंगाई बढ़ाएंगे और आख़िर में ये ज़मीनों पर क़ब्ज़ा कर लेंगे और किसानों को उनके ही खेत पर मज़दूर बनाकर फिर उनका शोषण करेंगे।

किसानों के हालात को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव खासे चिंतित हैं। वह कहते हैं-सवाल ये है कि किसान बीज-खाद-पानी-बिजली के लिए लड़े या सूखा-बाढ़, कीट के हमलों से या क्षतिपूर्ति के लिए भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों, बीमा कंपनियों से।

श्री अखिलेश यादव ने पूछा है कि जो उत्तर प्रदेश सरकार आलू ख़रीदी के लिए करोड़ों रुपये के आवंटन करने की बात कर रही थी वह अब कहां है? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को हमेशा ठगा है। यह निंदनीय। भाजपा जाएगी तभी खेती मुस्कुराएगी।

फोटो स्रोत : गूगल

नेताजी की मूर्ति न लगाने देने पर आक्रोश

बुलेटिन ब्यूरो

माघ मेला परिसर, प्रयागराज में श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान द्वारा लगाए गए शिविर का उद्घाटन 1 जनवरी को नेता विरोधी दल विधानसभा श्री माता प्रसाद पांडेय ने किया। इस अवसर पर समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह भी उपस्थित रहीं।

शिविर संचालन संस्था के अध्यक्ष और पूर्व प्रत्याशी इलाहाबाद शहर उत्तरी श्री संदीप यादव ने श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव की मूर्ति कुंभ मेला में भी स्थापित की थी किंतु माघ मेले में प्रशासन ने नेताजी की मूर्ति लगाने की अनुमति नहीं दी और संदीप यादव पर फर्जी मुकदमे लगा दिए।

शिविर का उद्घाटन करने के बाद श्री माता प्रसाद पांडेय ने श्रद्धेय नेताजी के जीवन के अनेक संस्मरण साझा किए और संदीप यादव पर प्रशासनिक कार्रवाई की निंदा की। श्रीमती जूही सिंह ने कहा कि श्रद्धेय नेताजी की मूर्ति न लगाने का प्रशासनिक निर्णय निंदनीय है।

शिविर के उद्घाटन के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी के निर्देश पर राधा जी और भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति की पूजा कर माघ मेला स्थल पर शिविर आरंभ किया गया।

उधर माघ मेला परिसर में 18 जनवरी को साधु-संतों के अपमान की सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि साधु-संतों-भक्तों के साथ हुआ दुर्व्यवहार अक्षम्य है। यह घोर निन्दनीय है। सदियों से चली आ रही शाही-स्नान की अखंड सनातनी परंपरा में गत वर्ष भी इसी सरकार द्वारा विघ्न डाला गया था। प्रश्न ये है कि ऐसी घटनाएं भाजपा की सरकार में ही क्यों हो रही हैं। मौनी अमावस्या का शाही-स्नान क्या पहली बार हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्य को हर जगह 'मुख्य' बनने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अहंकारी भाजपाई शासन और प्रशासन अपने से बड़ा किसी को नहीं मानता है। अब क्या इसका दोष भी 'एआई' पर मढ़ेंगे? यदि उत्तर प्रदेश के गृह सचिव मनमानी कर रहे हैं तो भी गलत है और अगर किसी के निर्देश पर कर रहे हैं तो और भी गलत है। पूरे मामले की जाँच हो। भाजपा सरकार लापरवाह और संवेदनहीन है। भाजपा सरकार हर वर्ग को अपमानित करना अपना अधिकार मानती है।

1962 के वीर जवानों को अखिलेश ने किया सम्मानित

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 20 दिसंबर 2025 को सपा के राज्य मुख्यालय में सन् 1962 की जंग में रेजांग ला पोस्ट पर चीन से लड़ने वाले कैप्टन रामचन्द्र यादव, हवलदार नेहाल सिंह तथा गजेन्द्र सिंह सहित 13 कुमायूं रेजीमेंट उप्र के एक्स सर्विस मैन सर्वश्री रमेश कुमार, प्रमोद कुमार, राम किशोर यादव, नौमी लाल यादव, अभिमन्यु, इन्दजीत यादव, रहीश पाल, पंकज यादव, संतोष कुमार, राम विजय, विपिन कुमार तथा शरद यादव को सम्मानित किया।

श्री अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अहीर रेजीमेंट बनाने की मांग करते हुए कहा कि और भी कोई मांग करे तो उसकी भी रेजीमेंट बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में पांच मिलिट्री स्कूल हैं, यूपी में एक भी नहीं है। उन्होंने मांग की कि लखनऊ, कन्नौज, इटावा और वाराणसी में मिलिट्री स्कूल बनने चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने 1962 की जंग में अभूतपूर्व वीरता दिखाने वाले सेना के जवानों का स्वागत करते हुए कहा कि इनकी वजह से हमारे देश की सुरक्षा हुई। इन बहादुरों ने देश की धरती बचाने का काम किया है। हमें इनपर गर्व है।

समाजवादी पार्टी के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में '120 बहादुर' फिल्म का प्रोमो भी दिखाया गया। इसमें रेजांग ला पर चीनी सैनिकों के साथ हुई भिड़ंत का जीवंत प्रदर्शन किया गया है। चीनी सैनिकों की भारी संख्या की जानकारी होते हुए भी हमारे जवानों ने अपनी पोस्ट आखिरी सांस रहने तक न छोड़ने के प्रण के साथ चीनी सैनिकों को पीछे ढ़केलने का अभूतपूर्व जज्बा दिखाया।

फिल्म के प्रदर्शन के बाद 1962 की जंग में बचे श्री रामचन्द्र यादव भावुक हो गए। उन्होंने इस सम्मान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि जन्म एकबार होता है। मौत भी एक बार आती है। अगर हम देश के काम आ जाए तो इससे बड़ा सौभाग्य कुछ नहीं।

श्री रामचन्द्र यादव ने बताया कि उनका पूरा परिवार सेना में है। बेटा और पोता ही नहीं बहू भी सेना से जुड़ी है। मेरा यही कहना है कि तन-मन लगाकर काम करो ताकि आने वाली नस्ल को पता चले कि हम भारतवासी हैं।

उन्होंने नेताजी मुलायम सिंह यादव को याद करते हुए कहा कि रक्षामंत्री के कार्यकाल में उन्होंने शहीद सैनिक का शव घर लाने की व्यवस्था के साथ सैनिकों का वेतनमान भी बढ़ाया था वर्ना वह अपने वेतन में एक बकरी भी नहीं खरीद सकते थे। उन्होंने आशा जताई कि अब अहीर रेजीमेंट बनाने का काम अखिलेश जी करेंगे।

अखिलेश ने साइकिल यात्री कन्हैया निषाद का हौसला बढ़ाया

बुलेटिन ब्यूरो

कुशीनगर के साइकिल यात्री श्री कन्हैया लाल निषाद ने 12 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से भेंट की। श्री निषाद साइकिल विजय रथ से चलकर जगह-जगह जाकर पीडीए और सामाजिक न्याय के बारे में प्रचार कर रहे हैं।

श्री कन्हैया लाल निषाद ने बताया कि उन्होंने 19 नवंबर 2025 को पूर्व मंत्री श्री जमुना प्रसाद निषाद के समाधिस्थल खुटहन गोरखपुर में श्रद्धांजलि अर्पित कर कुशीनगर से साइकिल यात्रा शुरू की थी। उन्होंने पीडीए समाजवादी साइकिल यात्रा क्रम में गोरखपुर, संतकबीर नगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, अयोध्या, बाराबंकी होते हुए लखनऊ में आकर श्री अखिलेश यादव से आशीर्वाद लिया।

श्री निषाद लगातार साइकिल यात्रा करके मिशन-2027 के तहत समाजवादी पार्टी की जीत और श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए जनता से संपर्क कर रहे हैं। श्री अखिलेश यादव ने श्री कन्हैया लाल निषाद की यात्रा की सफलता की कामना की और उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर सांसद अवधेश प्रसाद एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे।

आजीवन आदिवासी हितों की लड़ाई लड़ते रहे

विजय सिंह गोंड

बुलेटिन ब्यूरो

सोनभद्र की दुद्धी विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक श्री विजय सिंह गोंड का 8 जनवरी को पीजीआई में निधन हो जाने की खबर से समाजवादी पार्टी में शोक की लहर दौड़ गई।

जैसे ही यह खबर मिली, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पीजीआई पहुंच गए और उन्होंने दिवंगत साथी विजय सिंह गोंड को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को ढ़ांढस बंधाया। विधायक विजय सिंह गोंड के सम्मान में समाजवादी पार्टी का झंडा आधा झुका दिया गया।

विधायक विजय सिंह गोंड बीमार चल रहे थे और पीजीआई में भर्ती थे। 8 जनवरी को उन्होंने अंतिम सांस ली। आदिवासी समुदाय के लिए हमेशा संघर्ष करने वाले विधायक विजय सिंह के निधन की खबर साेनभद्र पहुंची तो वहां शोक की लहर दौड़ गई।

आदिवासी समुदाय ने एक स्वर में कहा कि उन्होंने आदिवासियों का एक सच्चा और अधिकार व अन्याय के खिलाफ सदैव संघर्ष करने वाला नेता खो दिया है। विजय सिंह की लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 1980 से अब तक वह 8 बार विधायक चुने गए।

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जैसे ही विधायक के निधन की खबर पहुंची, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पीजीआई पहुंच गए। उन्होंने साथी विधायक को श्रद्धांजलि दी और परिवारीजनों से मुलाकात कर दुःख व्यक्त करते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने आज एक आदिवासी नेता खो दिया है। वह जमीनी नेता थे। पूरी पार्टी विजय सिंह जी के परिवार के साथ है।

श्री विजय सिंह गोंड जीवन भर आदिवासी भाई-बहनों की सेवा करते रहे और उनके हित में कई महत्वपूर्ण काम किए। जनता ने हमेशा उनका साथ दिया। वह आदिवासी भाई-बहनों के हक और सम्मान की लड़ाई लड़ने वाले नेता थे। उन्होंने कहा कि विजय सिंह जी के निधन पर हम सभी समाजवादी साथी दुःखी हैं। उनके निधन से समाजवादी पार्टी को भारी क्षति हुई है।

नमन

सावित्री बाई फुले ने महिला अधिकारों की अलख जगाई

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में 3 जनवरी को देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले जी की जयंती सादगी से मनाई गई।

प्रदेश मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सावित्री बाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारत में महिला शिक्षा की ज्योति जलाकर महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करने वाली सावित्री बाई फुले महान समाजसेविका भी थीं।

उन्होंने अपने साहस, संघर्ष और दूरदर्शिता से समाज में शिक्षा, समानता और महिला अधिकारों की अलख जगाई। उनका जीवन सामाजिक परिवर्तन एवं मानवीय गरिमा का प्रतीक है।

सावित्री बाई फुले ने महिलाओं के अधिकारों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने रूढ़िवादियों से मोर्चा लेते हुए लड़कियों के लिए पहला स्कूल खोला जहां वे खुद पढ़ाती थीं। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई थी।

किसान दिवस पर चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में किसानों के मसीहा भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती 23 दिसंबर 2025 को 'किसान दिवस' के रूप में सादगी से मनाई गई। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके राजनीतिक एवं सामाजिक विचारों पर चर्चा की गई।

विधान सभा भवन स्थित चौधरी साहब की प्रतिमा पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, नेता विरोधी दल विधानसभा माता प्रसाद पांडेय सहित सभी विधायकों ने माल्यार्पण कर नमन किया। सभी ने इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह के विचारों और उनके सिद्धांतों पर चलने तथा किसानों के हित में उनकी बनाई गई नीतियों को लागू करने का भी संकल्प लिया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी ने समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में चौधरी चरण सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

दलितों के गौरव थे राजा बिजली पासी

बुलेटिन ब्यूरो

वीर शिरोमणि राजा बिजली पासी की जंयती 25 दिसंबर 2025 को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ व प्रदेश के सभी जिलों में सादगी से मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में महाराजा बिजली पासी के चित्र पर श्री अखिलेश यादव की ओर से पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी ने माल्यार्पण कर नमन किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि महाराजा बिजली पासी 12वीं सदी के वीर योद्धा थे। उन्होंने 1148 से 1184 ई तक अवध क्षेत्र के बड़े हिस्से पर शासन किया था। वे 12 क़िलों के स्वामी थे। दलितों के गौरव के रूप में उन्हें याद किया जाता है। उन्होंने बिजनौर (विजय) और नथवागढ़ सहित कई जिले बनवाए। उन्हें अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले योद्धा के रूप में याद किया जाता है।

अनंतराम जायसवाल को श्रद्धासुमन अर्पित

बुलेटिन ब्यूरो

वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व सांसद श्री अनंतराम जायसवाल की 11वीं पुण्यतिथि 17 जनवरी पर समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की ओर से जायसवाल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस अवसर पर सर्वश्री प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, अनंतराम जायसवाल के पौत्र दर्श जायसवाल, पूर्व सांसद अरविन्द सिंह, कृष्ण कन्हैया पाल राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी अधिवक्ता सभा, मणेन्द्र मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा, विनीत कुशवाहा प्रदेश अध्यक्ष छात्र सभा, रीबू श्रीवास्तव प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी महिला सभा, के.के. श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चन्द्र सिंह, राधेश्याम सिंह, दारा सिंह, डॉ. आलोक यादव, प्रो0 श्रवण गुप्ता, इं0 अरविंद यादव, घनश्याम राव, संतोष कृष्ण त्रिपाठी, मुन्नी लाल यादव, राम प्रताप गौतम, राम नाथ यादव, रीता राव आदि ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

साफ़ और बेबाक 𝕏

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

किसी भी पीड़ित की मदद करना, अपने पीडीए समाज की मदद करना ही है।

जो पीड़ित, वो पीडीए!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

हर एक की 'ख़ुशहाली' का आसमान हो अनंत
जिसमें बराबरी से उड़ सके सबकी अपनी पतंग

'मकर संक्रांति' की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

हर क्षेत्र की अपनी भाषा, उपभाषा और बोली के गीत-संगीत का लगाव और आनंद ही कुछ और होता है। लोक कलाकारों की समाज के सुधार और निर्माण में सार्थक भूमिका हो सकती है क्योंकि उनका अपने प्रशंसकों से गहरा जुड़ाव होता है। लोक कलाओं में जितनी सकारात्मकता बढ़ती है, समाज भी उतना ही सकारात्मक होता है और सशक्त भी।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 6d

भाजपा सरकार ने आशा वर्कर्स से किया अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया है, इसी कारण आशा बहनों के बीच निराशा और गुस्सा फैला हुआ है। ऊपर से वादाख़िलाफ़ी करनेवाली भाजपा सरकार 'शासन और प्रशासन' दोनों ही आशा बहनों को नीचा दिखाने के लिए जब गलत और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करके उनका अपमान करते हैं तो ये क्रोध, आक्रोश में बदल जाता है।

जब भाजपाई कहते हैं कि आशा वर्कर अपने पतियों को बैठाकर खिलाती हैं तो इसका मतलब है कि भाजपा के राज में बेकारी-बेरोज़गारी इतनी ज़्यादा है कि आशा वर्करों के घर-परिवार में बेरोज़गारी की वजह कोई काम करनेवाला नहीं है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

ईश्वरीय प्रेरणा से उप्र के इटावा में निर्माणाधीन श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर का स्थान आध्यात्मिक रूप से अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि ये मंदिर 'शिवशक्ति अक्ष रेखा' के ऊपर स्थित है। शिव जी के महत्वपूर्ण आठ मंदिरों के समान पाँचों पंचभूत मंदिर भी इसी शिवशक्ति अक्ष रेखा पर अवस्थित हैं। ये मंदिर एक भव्य शिवधाम के रूप में विकसित हो रहा है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

आदरणीय सुश्री मायावती जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। उनको स्वस्थ, स्वतंत्र जीवन और सार्थक सक्रियता के लिए अनंत शुभकामनाएँ।

उन्होंने जीवन भर प्रभुत्वादियों के ख़िलाफ़ जाकर शोषित, वंचित, उत्पीड़ित, उपेक्षित व अपमानित समाज के मान-सम्मान और अधिकारों के लिए जो रात-दिन अनवरत संघर्ष किया और संविधान विरोधी भाजपा और उनके संगी-साथियों को जिस तरह ललकारा,वो निरंतर रहे, इस कामना के साथ, उनको जन्मदिन की पुनः बधाई।

8:03 · 15 Jan 26 · 180K Views

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

जब मुलाक़ात हो ही रही है तो इन्हीं से देश का क्षेत्रफल पूछ लीजिए।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

भाजपा अपने संगी-साथियों को फ़ायदा पहुँचाने के चक्कर में काशी की दाल मंडी में हर घर-दुकानदार को दल रही है। ये ज़ुल्म और अत्याचार जनता अब और नहीं सहेगी।

भाजपा पैसों को छोड़कर किसी की सगी नहीं है। सत्ता भी भाजपाइयों को सिर्फ़ पैसे कमाने के लिए ही चाहिए।

भाजपा विश्वासघात का दूसरा नाम बन गयी है।

भाजपा जाए तो हर इंसान चैन पाए!

Akhilesh Yadav @yadav... · 09 Jan

भाजपा सरकारें पहले मप्र, महाराष्ट्र और बिहार की उन महिलाओं को पैसे दें जिनसे वादा करके वो मुकर गयीं हैं। 15 लाख देने का वादा करके, भाजपा का 10 हज़ार तक गिर जाने का मतलब है भाजपा ने अपना 1% वादा भी पूरा नहीं किया। भाजपा 99% झूठी है।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 6d

भाजपा सरकार, माघमेले में श्रद्धेय नेता जी स्व. मुलायम सिंह यादव जी स्मृति संस्थान की तरफ़ से कल्पवासियों-श्रद्धालुओं के बीच दान स्वरूप बाँटे जा रहे दूध के निःशुल्क वितरण पर पाबंदी लगाकर घोर अधर्म कर रही है।

भाजपा सरकार माघमेले में दान देने की सांस्कृतिक परिपाटी व सनातन परंपरा का उल्लंघन करके जो पाप कर रही है, वह अक्षम्य है।

भाजपा सनातन की भी सगी नहीं है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

मेरठ में 'हत्या-अपहरण' के पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे सपा के वरिष्ठ सांसद को रोका जाना बेहद निंदनीय है। उप्र का भाजपा शासन-प्रशासन पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। भाजपा अपराधी को बचा रही है। बुलडोज़र की कार्रवाई मूक दर्शक बन कर खड़ी है। एक माँ और घर की बहन-बेटी का महत्व और मान क्या होता है ये एक परिवारवाला ही समझ सकता है कोई सियासतदार नहीं।

भाजपा भी इस हत्याकांड और बेटी के अपहरण में पूरी तरह भागीदार है।

ऐसे भ्रष्ट व पक्षपाती शासन से अच्छा तो शासन का न होना है। भाजपा के समर्थक तक इससे शर्मिंदा हैं, कल को इस आग की आँच उनके घरों तक भी पहुँचेगी। अपराधी किसी की नेमप्लेट देखकर नहीं घुसते हैं।

घोर निंदनीय!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

हर पीड़ित की मदद कर सकें, हर कोई हो सुखी
सबकी हो तरक़्क़ी और सबके हिस्से आए ख़ुशी!

12:39 · 12 Jan 26 · **43.3K** Views

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

पत्रकार महोदय जब उप्र के भाजपा अध्यक्ष जी से पूछ रहे हैं कि आगे क्या चुनौती है तो वो कह रहे हैं 'कोई चुनौती नहीं है'... जिनको अपने दल से सौ चुनौतियाँ मिल रहीं हैं, वो कम ही बोलें तो अच्छा होगा। दो इंजन के बीच में आने से बचें...

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

दवाइयों तक में कमीशनखाने भाजपाई जब बच्चों की जानलेनेवाले मिलावटी सिरप तक बेच सकते हैं तो शहद के बारे में क्या कहना।

जो भाजपा सरकार मुखौटी राजनीतिज्ञों, महाभ्रष्ट अधिकारियों और शातिर अपराधियों की मिलावट से बनी है, उस सरकार में मिलावटखोरी को कोई क्या रोकेगा।

भाजपा जाए तो मिलावट हट जाए।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

अब पुलिस के बड़े साहब कोर्ट के आदेश को अवैध बता रहे हैं, इसे कोर्ट की अवमानना माना जाएगा क्या? अब कहीं माननीय न्यायालय इनके ख़िलाफ़ भी कार्रवाई न कर दे। सत्ता की चापलूसी के चक्कर में ज़्यादा दरोगाई दिखाना कहीं महंगा न पड़ जाए।

संभल हिंसा: अनुज चौधरी समेत 12 पुलिसकर्मियों पर एफ़आईआर के कोर्ट के आदेश को चुनौती देगी पुलिस

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

दबंगों ने सरधना क्षेत्र के ज्वालागढ़ में कश्यप समाज के एक युवा को ज़िंदा जलाकर मारने का जो कुकृत्य किया है, उसके लिए हम पूरे पीडीए समाज की तरफ़ से आवाज़ उठाते हैं।

न्याय हो!

Akhilesh Yadav @yadav... · 09 Jan

अद्वितीय व्यक्तित्व की अद्भुत प्रस्तुति और कला के रूप में स्तुति... सादर नमन!

कलाकार के हुनर को प्रणाम भी, सलाम भी!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री शंकर सिंह बाघेला जी से शिष्टाचार मुलाक़ात।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

अपर महाधिवक्ता, इलाहाबाद उच्च न्यायालय (लखनऊ खंडपीठ) श्री विनोद कुमार शाही के पुत्र जयंत शाही जी के निधन के उपरांत उनके आवास पर पहुंचकर परिजनों से भेंट की एवं शोक संवेदना प्रकट की।

प्रिय मतदाता और पीडीए प्रहरी,

हर मतदाता और हर एक 'पीडीए प्रहरी' से एक बार फिर ये अपील है कि पीडीए समाज के वोटों को काटने की किसी भी साज़िश को कामयाब न होने दें। 'पीडीए प्रहरी' के प्रयासों के बावजूद भी अभी भी पीडीए समाज के करोड़ों वोट काटे गये हैं। अब पीडीए प्रहरी को हर बूथ पर गहन जाँच पड़ताल करनी है और 'एक भी वोट न कटने पाए, एक भी वोट न घटने पाए' के अपने नारे के साथ हम सबको फिर से जुट जाना है, हर एक वोट बचाना है।

हर मतदाता को याद दिलाइए कि वोटर लिस्ट में आपके नाम का महत्व क्या है। कल को वोटर लिस्ट में नाम न होने को आधार बनाकर कहीं भाजपा सरकार कोई ऐसा काला क़ानून न ले आए, जिससे आपका नाम काग़ज़ों से गायब मानकर और फिर उसको सबूत मानते हुए राशन कार्ड, सरकारी योजनाओं, जाति प्रमाणपत्र, नौकरी-आरक्षण, खाते-एकाउंट, शेयर-इन्वेस्टमेंट, बीमा-ड्राइविंग लाइसेंस, ट्रैक्टर-गाड़ी के काग़ज़ात, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, कॉलेज-यूनिवर्सिटी, बिजली-पानी कनेक्शन, खेत-ज़मीन, घर-मकान सबसे आपका नाम कट जाए या कहें बेदख़ली कर दी जाए और आप अपने ही देश में बाहरी साबित कर दिए जाएं। समझ लीजिए मतदाता सूची में आपका नाम होना ही आपके नागरिक होने की निशानी है। वोटर आईडी को ही अपना नागरिक आईडी मानिए। ज़मीन की भूखी भाजपा सरकार कोई भी ऐसा क़ानून बना सकती है, जिससे आपके सारे हक़-अधिकार, धन-दौलत, सोना-चाँदी, जमा-पूंजी, ज़मीन-जायदाद सब छीन लिए जाएं।

जो भाजपा सरकार निर्विरोध चुनाव लड़वाने का खेल, खेल सकती है, वो चुनाव में वोट काटने के लिए कुछ भी कर सकती है, क्योंकि चुनाव जीतकर सरकार बनाना और फिर भ्रष्टाचार करना और जल, जंगल, ज़मीन पर क़ब्ज़ा करना ही भाजपा और उनके संगी-साथियों की गुप्त मंशा है। इसीलिए इस पत्र को एक चेतावनी मानिए और इस महाभ्रष्ट भाजपा सरकार को हटाने को लिए वोट बनवाइए और अपनी नागरिकता बचाइए व चुनावों में भाजपा के ख़िलाफ़ वोट डालकर 'अपनी पीडीए सरकार' बनाइए!

इसीलिए हमारी हर मतदाता से भी अपील है कि चौकन्ना रहें, सजग होकर अपना वोट बनवाएं और अपने नागरिक होने की पहचान बचाएं साथ ही अपने खेत, ज़मीन, घर की मिल्कियत और विरासत भी।

'पीडीए समाज' ये सोचकर चले कि जब हमारे पास वोट डालकर सरकार बनाने का अधिकार है, तब तो हमारा इतना उत्पीड़न होता है, अगर वोट डालने का निर्णायक अधिकार हमारे 'पीडीए समाज' के लोगों के पास नहीं होगा तो हमें कितना प्रताड़ित किया जाएगा। ये वर्चस्ववादी अपनी मनमर्जी की सरकार बनाकर, ढाल की तरह हमारी रक्षा करनेवाले संविधान को ही ख़त्म कर देंगे। अपना वोट बचाने का मतलब अपना संविधान और अपने हक़ का आरक्षण व नौकरी बचाना भी है।

याद रखिए अंत में हमेशा ग़रीब, शोषित, वंचित ही मारा जाता है।

इसीलिए 'पीडीए समाज' के हर सदस्य से हमारी ये सीधी अपील है :

अपना वोट बनाएं,
अपना भविष्य बचाएं!

आपका

अखिलेश

साभार: X@yadavakhilesh

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in
QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party